



छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 210]

नवा रायपुर, गुरुवार, दिनांक 30 अप्रैल 2026 — वैशाख 10, शक 1948

गृह (पुलिस) विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 28 अप्रैल 2026

अधिसूचना

ESTB/9019/2025-HOME SECTION.— छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 2025 (क्र. 15 सन् 2025) की धारा 24 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तों और संबंधित उपक्रम में उनके प्रतिनियुक्ति को विनियमित करने इत्यादि, के संबंध में निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

नियम

अध्याय—एक

प्रारंभिक

- संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ.—**(1) ये नियम “छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल नियम, 2026” कहलायेंगे।
(2) ये छत्तीसगढ़ राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- परिभाषाएँ.—**(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
(क) “अधिनियम” से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 2025 (क्र. 15 सन् 2025);
(ख) “सी.जी.एस.आई.एस.एफ.” से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल।
(2) शब्द और अभिव्यक्तियाँ जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, उनके वही अर्थ होंगे जो इस अधिनियम में उनके लिए समनुदेशित हैं।

अध्याय—दो

बल का गठन

- बल का गठन.—**बल में निम्नलिखित शाखाएँ होंगी, अर्थात्:—
(क) कार्यपालक शाखा
(ख) अनुसचिवीय शाखा
- बल की संरचना.—**बल के पर्यवेक्षण और अन्य अधिकारियों को निम्नलिखित श्रेणियों के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा, अर्थात्:—

(क) पर्यवेक्षण अधिकारी

- (एक) पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़;
- (दो) विशेष पुलिस महानिदेशक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ.;
- (तीन) अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ.;
- (चार) पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ.;
- (पाँच) पुलिस उप महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ.;
- (छः) सेनानी, सी.जी.एस.आई.एस.एफ.;
- (सात) उप सेनानी, सी.जी.एस.आई.एस.एफ.;
- (आठ) सहायक सेनानी, सी.जी.एस.आई.एस.एफ.।

(ख) कार्यपालक अधिकारी

- (एक) कंपनी कमाण्डर/निरीक्षक;
- (दो) प्लाटून कमाण्डर/उप निरीक्षक;
- (तीन) सहायक प्लाटून कमाण्डर/सहायक उप निरीक्षक;
- (चार) प्रधान आरक्षक;
- (पाँच) आरक्षक;
- (छः) आरक्षक ट्रेडमेन (कुशल/अकुशल)।

(ग) अनुसचिवीय अधिकारी

- (एक) निरीक्षक-अ (कार्यालय अधीक्षक);
- (दो) निरीक्षक-अ (वरिष्ठ शीघ्रलेखक);
- (तीन) उप निरीक्षक-अ (कनिष्ठ शीघ्रलेखक);
- (चार) उप निरीक्षक-अ;
- (पाँच) सहायक उप निरीक्षक-अ।

महानिदेशक, बल का प्रमुख होगा और बल की उच्च दक्षता, प्रशिक्षण, अनुशासन और नैतिकता बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होगा एवं इस उद्देश्य के लिए वह ऐसे सभी कदम उठाएगा जैसा कि वह आवश्यक समझे।

6. विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.).

के कर्तव्य.— (1) विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के समस्त अधीनस्थ अधिकारियों तथा सदस्यों के प्रशिक्षण, प्रशासन तथा अनुशासन और कार्य क्षमता बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होगा। वह, उसके समादेश के अधीन आने वाले व्यक्तियों द्वारा पालन किए जाने वाले समस्त कर्तव्यों का पर्यवेक्षण करेगा। वह समय-समय पर ऐसे आदेश जारी करेगा जैसा कि उसके प्रभार के अधीन बल के विनियमन तथा प्रशासन के लिए आवश्यक हो।

(2) वह "परिनियोजन के स्थान" के प्रबंध निदेशक के साथ समन्वय बनाये रखेगा और समय-समय पर बल के संबंध में प्रत्येक इकाई की समस्याओं और आवश्यकताओं का समाधान करेगा।

(3) "परिनियोजन के स्थान" की सुरक्षा से संबंधित एवं अन्य महत्वपूर्ण मामलों में, वह पुलिस महानिदेशक को अवगत कराएगा और इस हेतु स्थानीय पुलिस अधिकारियों और अन्य राज्य प्राधिकरणों के साथ समन्वय बनाए रखेगा ताकि प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

(4) "परिनियोजन के स्थानों" पर परिनियोजित "बल के सदस्यों" के पर्यवेक्षण अधिकारी के साथ समन्वय बनाए रखेगा, अपराध की स्थिति की समीक्षा करेगा और उचित अपराध नियंत्रण उपायों को अपनाने एवं प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु उचित मार्गदर्शन और निर्देशन देगा।

(5) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. को दलों में, प्रत्येक दल को बटालियनों में, प्रत्येक बटालियन को कंपनियों में, प्रत्येक कंपनी को प्लाटूनों में और प्रत्येक प्लाटून को अनुभागों में पुलिस महानिदेशक के अनुमोदन उपरांत विभक्त कर सकेगा।

(6) पुलिस महानिदेशक के अनुमोदन उपरांत किसी भी दल, बटालियन, कंपनी, प्लाटून अथवा अनुभाग को ऐसे स्थानों में नियुक्त कर सकेगा, जहाँ उचित प्रतीत हो।

(7) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. बटालियन या इकाईयों का निरीक्षण करेगा।

7. पुलिस महानिरीक्षक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.) के कर्तव्य.— (1) पुलिस महानिरीक्षक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.), विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.) को उनके कर्तव्यों के पालन में सहायता करेगा और वह उनके समादेश के अधीन "बल के सदस्यों" के प्रशिक्षण, प्रशासन, अनुशासन,

कार्यक्षमता, मनोबल, स्वास्थ्य तथा कल्याण के लिए उत्तरदायी रहेगा।

- (2) वह "परिनियोजन के स्थान" के "प्रबंध निदेशक" के साथ समन्वय बनाए रखेगा और समय-समय पर बल के संबंध में प्रत्येक इकाई की समस्याओं और आवश्यकताओं का समाधान करेगा।
- (3) "परिनियोजन के स्थान" की सुरक्षा से संबंधित एवं अन्य महत्वपूर्ण मामलों में, वह विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सी.जी.एस.आई. एस.एफ.) को अवगत कराएगा और इस हेतु स्थानीय पुलिस अधिकारियों और अन्य राज्य प्राधिकरणों के साथ समन्वय बनाए रखेगा ताकि प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।
- (4) "परिनियोजन के स्थान" पर परिनियोजित "बल के सदस्यों" के पर्यवेक्षण अधिकारी के साथ समन्वय बनाए रखेगा, अपराध की स्थिति की समीक्षा करेगा और उचित अपराध नियंत्रण उपायों को अपनाने एवं प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु उचित मार्गदर्शन और निदेशन प्रदान करेगा।
- (5) "परिनियोजन के स्थान" पर परिनियोजित "बल के सदस्यों" के परिनियोजन या स्थानांतरण का आदेश विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.) के अनुमोदन से कर सकेगा।
- (6) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. बटालियन या इकाइयों का निरीक्षण करेगा।
- (7) "परिनियोजन के स्थान" पर परिनियोजित सी.जी.एस.आई.एस.एफ. इकाई से संबंधित बकाया राशि को प्रबंध निदेशक से समय पर वसूली सुनिश्चित करेगा।
- (8) विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.) की अनुपस्थिति में वह उनके दायित्वों का निर्वहन करेगा।

8. **पुलिस उप महानिरीक्षक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.) के कर्तव्य.**—जब पुलिस उप महानिरीक्षक को परिक्षेत्रीय अधिकारी नियुक्त किया जाता है, तो वह अधिनियम की धारा 7 में उल्लेखित सभी कर्तव्यों को निभाएगा और मुख्यालय में विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक (सी.जी.एस.आई. एस.एफ.) की सहायता करेगा एवं वरिष्ठ अधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करेगा।

9. **सेनानी के कर्तव्य.**— (1) सेनानी, पुलिस उप महानिरीक्षक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.) के कर्तव्यों के पालन में सहायता करेगा और उनके समादेश के अधीन बल के समस्त सदस्यों के प्रशिक्षण प्रशासन, अनुशासन, मनोबल, स्वास्थ्य तथा कल्याण के

लिए उत्तरदायी रहेगा।

- (2) बटालियन के कार्यपालक प्रमुख होने के नाते वह पुलिस उप महानिरीक्षक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.) के अधीन रहते हुए, अपने क्षेत्राधिकार के भीतर आने वाले समस्त विषयों पर स्थायी आदेश एवं अनुदेश जारी करेगा, जिसमें उनके अधिनस्थों के द्वारा पालन किये जाने वाले कर्तव्य भी शामिल है।
- (3) वह अपने अधीन समस्त अधिकारियों के प्रशिक्षण के और स्वयं के प्रभार की बटालियन के समस्त शस्त्रों, गोला बारूद तथा सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए उत्तरदायी रहेगा।
- (4) वह समस्त कल्याणकारी क्रिया-कलापों जैसे- कल्याण केन्द्र, स्वल्पाहार गृह, अनाज भण्डार इत्यादि के समुचित संचालन तथा उनके समुचित लेखे बनाये रखने के लिए भी उत्तरदायी रहेगा और बटालियन निधि, भोजनालय सुधार निधि तथा अन्य ऐसी निधियों से किए जाने वाले खर्चों पर समुचित नियंत्रण रखेगा और उनके दुरुपयोग को निर्धारित करने के लिए भी उत्तरदायी रहेगा।
- (5) वह "परिनियोजन के स्थान" पर परिनियोजित बल का निरीक्षण करेगा।
- (6) वह बटालियन मुख्यालय में आयोजित परेड में सम्मिलित होगा, लाइन का निरीक्षण करेगा तथा नियमित रूप से अर्दली आफिसर कक्ष के कार्य का निष्पादन भी करेगा।
- (7) सेनानी "परिनियोजन के स्थान", जहाँ उसकी बटालियन के बल तैनात हैं, की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होगा। इस प्रयोजन के लिए, वह जिले और पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ अन्य विभागों के प्रमुखों के साथ संपर्क बनाए रखेगा।
- (8) वह पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस उप महानिरीक्षक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.) के साथ-साथ उपक्रम के प्रबंध निदेशक को सभी सुरक्षा संबंधी घटनाक्रमों से अवगत कराएगा और उन्हें नियमित रूप से पाक्षिक प्रतिवेदन भेजेगा। वह तत्कालिक मामलों को शीघ्रतम संभव तरीके से वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में लायेगा।
- (9) वह आसूचना शाखा के कार्य को सुनिश्चित करने पर व्यक्तिगत ध्यान देगा।

10. उप सेनानी के कर्तव्य.- (1) उप-सेनानी, सेनानी को उनके कर्तव्यों के निर्वहन में सहायता करेगा और सेनानी की अनुपस्थिति में वह सेनानी के सभी कर्तव्यों का निर्वहन एवं शक्तियों का उपयोग करेगा।

- (2) वह सेनानी के अधीन रहते हुए समस्त व्यक्तियों के अनुशासन, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य तथा कल्याण के स्तर को उच्च क्रम में बनाए रखने हेतु उत्तरदायी होगा। वह बटालियन की समस्त नकदी, शस्त्र, गोला बारूद तथा अन्य सम्पत्ति का

समुचित लेखा बनाये रखने के लिए उत्तरदायी होगा। उप सेनानी का यह कर्तव्य होगा कि वह बटालियन की कल्याणकारी क्रियाकलापों का कार्यान्वयन करे। वह नियमित रूप से परेड में सम्मिलित होगा तथा साधारण एवं समारोहात्मक परेड के आयोजन हेतु समस्त व्यवस्थाएं करने हेतु उत्तरदायी रहेगा। वह उनके प्रभार के “परिनियोजन के स्थान” की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होगा तथा परिनियोजित बल का निरीक्षण करेगा। वह समय-समय पर वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करेगा।

11. **सहायक सेनानी के कर्तव्य.**— (1) सहायक सेनानी, सेनानी को कर्तव्यों के पालन में सहायता करेगा तथा सेनानी द्वारा न्यस्त किये गये समस्त कार्य करेगा। सेनानी के नियंत्रण के अधीन रहते हुए वह, अपने अधीनस्थों के अनुशासन, प्रशासन, कर्तव्य पालन, प्रशिक्षण कार्यक्षमता, मनोबल तथा कल्याण के स्तर को उच्च क्रम में रखने हेतु उत्तरदायी होगा। सहायक सेनानी का यह कर्तव्य होगा कि वह बटालियन की कल्याणकारी क्रियाकलापों का कार्यान्वयन करे।

(2) वह उनके प्रभार के “परिनियोजन के स्थान” की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होगा तथा नियोजित बल का निरीक्षण करेगा। वह समय-समय पर वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करेगा।

12. **कंपनी कमाण्डर/निरीक्षक.**— (1) जहाँ सहायक सेनानी “परिनियोजन के स्थान” पर परिनियोजित बल का प्रभारी होगा, कंपनी सेनानी/निरीक्षक सहायक सेनानी की सहायता करेगा।

(2) समय-समय पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सौंपे गए कर्तव्यों का निर्वहन करेगा और सहायक सेनानी की अनुपस्थिति में “परिनियोजन के स्थान” पर तैनात परिनियोजित बल का प्रभारी रहेगा।

13. **प्लाटून कमाण्डर/उप निरीक्षक/सहायक प्लाटून कमाण्डर/सहायक उप निरीक्षक/प्रधान आरक्षक/आरक्षक/आरक्षक ट्रेडमेन (कुशल/अकुशल).**— कंपनी कमाण्डर/निरीक्षक को छोड़कर कार्यपालक अधिकारी, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार, कार्य करेंगे और अधिनियम की धारा 7 में उल्लेखित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

अध्याय-तीन सेवा की शक्तियाँ और गठन

14. **गिरफ्तारी और तलाशी.**— अधिनियम की धारा 9 के तहत गिरफ्तारी करते समय या धारा 10 के तहत तलाशी लेते समय, बल का सदस्य भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (2023 का सं. 46) में निर्दिष्ट प्रक्रिया का पालन करेगा। गिरफ्तारी के पश्चात् अधिनियम की धारा 11 का पालन किया जायेगा।
15. **नियुक्ति की शक्तियाँ.**— (1) पुलिस महानिरीक्षक, कमश: छत्तीसगढ़ सशस्त्र “बल के सदस्यों” एवं विशेष सशस्त्र बल अधिनियम, 1968 (क्र. 29 सन् 1968) तथा छत्तीसगढ़ पुलिस अधिनियम, 2007 (क्र. 13 सन् 2007) के अंतर्गत नियुक्त छत्तीसगढ़ पुलिस बल की, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति हेतु सक्षम प्राधिकारी होगा।
- (2) पुलिस महानिदेशक सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के कार्यपालक एवं अनुसचिवीय अधिकारी के पद पर छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल एवं छत्तीसगढ़ पुलिस बल संवर्ग के समान स्तर के सदस्यों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त कर सकेगा।
16. **प्रतिनियुक्ति की अवधि एवं शर्तें.**— (1) छत्तीसगढ़ पुलिस बल और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के अधिकारी व कर्मचारी को पांच वर्षों की अवधि के लिए सी.जी.एस.आई.एस.एफ. में प्रतिनियुक्त किया जा सकेगा और इसे एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकेगा। किसी भी परिस्थिति में प्रतिनियुक्ति की अवधि छः वर्ष से अधिक नहीं होगी।
- (2) अर्हताएँ— (एक) प्रतिनियुक्ति के पूर्व अधिकारी और कर्मचारी की सेवा कम से कम 7 वर्ष होनी चाहिए।
- (दो) आरक्षक संवर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (तीन) प्रधान आरक्षक संवर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिये।
- (चार) सहायक प्लाटून कमाण्डर/सहायक उप निरीक्षक संवर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (पाँच) प्लाटून कमाण्डर/कंपनी कमाण्डर/उप निरीक्षक/निरीक्षक के लिए अधिकतम आयु सीमा 52 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (छः) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के निर्धारित मापदण्डों को पूरा करना होगा।
- (3) प्रतिनियुक्ति पर आये बल का प्रत्येक सदस्य मूल संवर्ग बल के समकक्ष पद पर

लागू अनुशासनात्मक नियमों के अध्यक्षीन होगा।

- (4) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. में परिनियोजित बल के सभी सदस्यों को औद्योगिक सुरक्षा पर निर्धारित प्रशिक्षण/कोर्स करना होगा, जिसकी अवधि और स्थान पुलिस महानिदेशक द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाएगा।
- (5) "बल के सदस्यों" को मूल वेतन का 12% अतिरिक्त प्रतिनियुक्ति भत्ता देय होगा।
- (6) उपर्युक्त के अलावा, प्रतिनियुक्ति की अन्य शर्तें ऐसी होंगी जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाए।
- (7) इन नियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, राज्य सरकार या पुलिस महानिदेशक या विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सी.जी.एस.आई.एस.एफ.) यथास्थिति किसी भी समय बिना कोई कारण बताए किसी अधिकारी की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर सकेगा और इस तरह की समाप्ति को दंड नहीं माना जाएगा।

17. **प्रतिनियुक्ति के संदर्भ में शपथ-पत्र.**— प्रत्येक बल का सदस्य अपनी प्रारंभिक प्रतिनियुक्ति के समय प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट परिशिष्ट 'क' में एक शपथ-पत्र निष्पादित करेगा। यदि बल का सदस्य किसी भी कारण से तीन वर्षों की अवधि के भीतर मूल इकाई में वापस जाता है, तो भविष्य में प्रतिनियुक्ति हेतु अयोग्य माना जायेगा।
18. **पदोन्नति.**—बल के सदस्य की पदोन्नति मूल संवर्ग (छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल/छत्तीसगढ़ पुलिस बल) के समकक्ष पद हेतु प्रचलित नियमों के अनुसार होगी।
19. **नियमावली.**—पुलिस महानिदेशक, बल के प्रशासन के लिए प्रशिक्षण नियमावली, स्थापना नियमावली और अन्य नियमावली तैयार करेगा।
20. **निष्ठा की शपथ एवं नियुक्ति प्रमाण पत्र.**— बल का प्रत्येक सदस्य प्रतिनियुक्ति के समय प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट परिशिष्ट 'ख' में निष्ठा की शपथ लेगा और उसे अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (1) के अंतर्गत परिशिष्ट 'ग' में निर्दिष्ट नियुक्ति प्रमाणपत्र प्राप्त होगा।
21. **सेवा नियमों की सामान्य शर्तें.**— (1) सहायक सेनानी और उससे वरिष्ठ अधिकारी—सहायक सेनानी और उससे वरिष्ठ अधिकारी, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेश/निर्देश/परिपत्र में अंतर्विष्ट प्रावधान अनुसार शासित होंगे।
(2) कंपनी कमाण्डर/निरीक्षक से आरक्षक ट्रेडमेन (कुशल/अकुशल) के पद—कंपनी कमाण्डर/निरीक्षक से आरक्षक ट्रेडमेन (कुशल/अकुशल) की श्रेणी तक

के बल के सदस्य छत्तीसगढ़ पुलिस मेन्युअल एवं रेग्युलेशन और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेश/निर्देश/परिपत्र जो छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल एवं छत्तीसगढ़ पुलिस बल के समकक्ष पदों पर लागू होता है, में अंतर्विष्ट प्रावधानों के अनुसार शासित होंगे।

- 22. अनुशासनात्मक प्राधिकारी और उनकी शक्ति का विस्तार.**— अनुशासनात्मक कार्यवाही में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 एवं छत्तीसगढ़ पुलिस मेन्युअल एवं रेग्युलेशन तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेश/निर्देश/परिपत्र में निहित प्रावधान का पालन किया जाएगा।
- 23. व्यावृत्ति.**— (1) इन नियमों और छत्तीसगढ़ पुलिस मेन्युअल एवं रेग्युलेशन के मध्य विरोधाभास की स्थिति में ये नियम प्रभावी होंगे।
- (2) बल का सदस्य उसकी निलंबन अवधि में बल का सदस्य बना रहेगा और उस कालावधि के दौरान भी उन्हीं उत्तरदायित्वों, अनुशासन और शास्तियों के अध्यक्षीन होगा जिनके अध्यक्षीन वह कर्तव्यारूढ़ होने की दशा में होता।
- 24. अपील.**— शास्ति आदेश के विरुद्ध अपील, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 एवं छत्तीसगढ़ पुलिस मेन्युअल एवं रेग्युलेशन में अंतर्विष्ट प्रावधान जैसा कि विभिन्न श्रेणियों में लागू हों, के अनुसार की जा सकेगी।
- 25. नियुक्ति प्रमाण-पत्र, आयुध, उपकरण, वस्त्र तथा अन्य वस्तुओं का समर्पण.**— (1) बल का प्रत्येक सदस्य जो, किसी कारण से बल का सदस्य नहीं रह जाता है; उसे अधिनियम के धारा 20 की उप-धारा (1) के अंतर्गत अपना नियुक्ति प्रमाण-पत्र, आयुध, उपकरण, वस्त्र तथा अन्य वस्तुएं, जो उसे बल के सदस्य के रूप में कर्तव्यों का पालन करने के लिए दी गई हो, का समर्पण करना होगा।
- (2) यदि कोई व्यक्ति जान-बूझकर या अनिच्छा से उपर्युक्त वस्तुओं को समर्पण करने से इंकार करता है, तो अधिनियम के धारा 20 की उप-धारा (2) के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।
- 26. बल के सदस्यों के लिए कार्यालय, आवास एवं अन्य सुविधाएं.**— (1) संबंधित उपक्रम को अधिकारियों के लिए, उपक्रम के समीप आवास सहित उपक्रम में पदस्थ "बल के सदस्यों" हेतु किराया मुक्त परेड ग्राउंड, खेल का मैदान, क्वार्टर गार्ड और अन्य कार्यालय उपलब्ध कराना होगा। आवासीय मानदंड और आवास के निर्माण के लिए न्यूनतम आधार क्षेत्रफल प्रशासनिक प्रमुख द्वारा तैयार किया जायेगा।
- (2) जहाँ बल के सदस्यों के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं या आवासीय सुविधा का लाभ नहीं लेते हैं, वहां उन्हें राज्य सरकार के प्रावधानों के अनुसार मकान किराया भत्ता एवं परिवहन भत्ता दिया जाएगा।

27. **चिकित्सा सुविधाएं.**—(1) बल के सदस्य प्रचलित नियमों के अधीन राज्य सरकार की सुविधाओं के हकदार होंगे।
- (2) जब किसी उपक्रम में परिनियोजित किया जाएगा:—
- (एक) यदि वह उपक्रम अपने कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करती है, तो उस उपक्रम में परिनियोजित “बल के सदस्य” भी उन्हीं सुविधाओं का लाभ उठाने के हकदार होंगे।
- (दो) यदि ऐसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो “बल के सदस्यों” को राज्य सरकार के नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी।
28. **अवकाश.**— “बल के सदस्य” छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल एवं छत्तीसगढ़ पुलिस बल के समकक्ष श्रेणी के सदस्यों पर लागू अवकाश नियमों द्वारा शासित होंगे।
29. **अवकाश यात्रा रियायत.**— बल के सदस्य छत्तीसगढ़ सरकार के नियमों के अनुसार अवकाश यात्रा रियायत (L.T.C.) प्राप्त करेंगे।
30. **मौद्रिक पुरस्कारों के लिए पात्रता.**— मात्र कंपनी कमाण्डर/निरीक्षक श्रेणी तक के “बल के सदस्यों” को कर्तव्य पर रहते हुए विशेष साहसिक व असाधारण कार्य (कार्य जिसमें विशेष कौशल, पराक्रम, बौद्धिक या पहल परिलक्षित हुआ है) हेतु मौद्रिक पुरस्कार दिया जा सकेगा।
31. **मौद्रिक पुरस्कार या प्रमाण पत्र.**— अधिकृत पर्यवेक्षण अधिकारी पुलिस कर्मियों को छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल एवं छत्तीसगढ़ पुलिस बल में समकक्ष श्रेणी में लागू पुरस्कार प्रदान करने के लिए अधिकृत है।
32. **“परिनियोजन के स्थान” के प्रबंध निदेशक द्वारा मौद्रिक पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र.**— परिनियोजन के स्थान के प्रबंध निदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस. एफ. की अनुमति से परिनियोजित बल के सदस्य को विशेष साहसिक व असाधारण कार्य हेतु मौद्रिक पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सकते हैं।
33. **पदक प्रदान करना.**—(1) “बल के सदस्यों” को पुलिस महानिदेशक (DGP) का डिस्क और अन्य पदक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल एवं छत्तीसगढ़ पुलिस “बल के सदस्यों” पर लागू प्रावधानों के अनुसार प्रदान किया जायेगा।
- (2) विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. बल के लिए किसी अन्य वार्षिक पुरस्कार संस्थित कर सकेंगे, जो प्रोत्साहन और प्रेरणा के रूप में दिया जाएगा।

34. **बल के सदस्यों का स्थानांतरण.**—(1) कंपनी कमाण्डर/निरीक्षक से लेकर उप सेनानी की श्रेणी तक के अधिकारियों का विभिन्न परिनियोजन के स्थान पर स्थानांतरण विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के द्वारा किया जाएगा।
- (2) प्लाटून कमाण्डर/उप निरीक्षक के पद तक के अधिकारियों जो एक सेनानी, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के प्रशासनिक नियंत्रण में हो, का विभिन्न परिनियोजन के स्थान पर स्थानांतरण, सेनानी, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा किया जाएगा।
35. **चिकित्सा अयोग्यता के आधार पर बल के सदस्य की मूल इकाई में वापसी.**— (1) यदि बल का कोई सदस्य चिकित्सा अयोग्यता के कारण अपना कर्तव्य करने में असमर्थ है, तो सेनानी आदेश दे सकेगा कि उस सदस्य को जिला चिकित्सा बोर्ड, रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।
- (2) यदि जिला चिकित्सा बोर्ड, रायपुर द्वारा यह पाया जाता है कि उक्त सदस्य बल में आगे सेवा देने के लिए अयोग्य है, तो विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. चिकित्सा बोर्ड के निष्कर्षों से सहमत होने पर, उस सदस्य को अग्रिम कार्यवाही हेतु मूल इकाई में वापस भेजने का निर्देश देगा।
36. **उपक्रम परिसर में नकदी और अन्य वस्तुएं ले जाने की अनुमति.**— (1) कंपनी कमाण्डर/निरीक्षक पद तक के "बल के सदस्य" कर्तव्य के दौरान आकस्मिक आवश्यकताओं के पूर्ति हेतु अधिकतम 2500/- रुपये तक या समय-समय पर पुलिस महानिदेशक द्वारा निर्धारित नकदी अपने साथ रख सकते हैं। इसके अलावा उन्हें कर्तव्य के दौरान उपयोग के लिए दिए गए आधिकारिक उपकरण भी अपने साथ ले जाने की अनुमति होगी।
- (2) उपक्रम में प्रवेश करते समय "बल के सदस्य" को, यदि उनके पास कोई नकद है तो कर्तव्य पंजी में विनिर्दिष्ट रूप से दर्ज करना होगा। कर्तव्य से वापसी पर उन्हें उनके पास की वास्तविक राशि को भी अभिलिखित करना होगा और किसी विसंगति अथवा अधिकता की दशा में स्पष्टीकरण देना होगा। स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर या प्राप्त स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं होने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

अध्याय—चार

व्यय

37. **बल के खर्च का भुगतान.**— (1) इन नियमों के प्रावधानों के अनुसार, बल के प्रबंधन, प्रशिक्षण, स्थापना, वर्दी, उपकरण, आयुध और गोला-बारूद, वाहन और ईंधन (पेट्रोल, ऑयल, ल्यूब्रिकेन्ट) एवं अन्य की पूरी लागत उन "परिनियोजन के स्थान" के

प्रबंधन द्वारा वहन की जाएगी जहाँ सी.जी.एस.आई.एस.एफ. को परिनियोजित किया जाएगा।

- (2) प्रारंभ में सी.जी.एस.आई.एस.एफ. पर होने वाला व्यय छत्तीसगढ़ सरकार के बजट अनुदान से किया जाएगा और ऐसे व्यय की प्रतिपूर्ति संबंधित "परिनियोजन के स्थान" से प्राप्त की जाएगी।
- (3) "परिनियोजन के स्थान" पर परिनियोजित बल के पूरे खर्च से संबंधित देयक प्रबंधन को प्रस्तुत करने पर, देयक की प्रतिपूर्ति संबंधित प्रबंधन के द्वारा अधिकतम 30 दिवस के भीतर की जाएगी।
- (4) औद्योगिक इकाईयों से प्राप्त राशि का मिलान प्रतिवर्ष वित्त नियंत्रक, पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ से कराया जायेगा।
- (5) आवर्ती और अनावर्ती व्यय, जिन्हें संबंधित उपक्रम द्वारा वहन किया जाएगा, निम्नानुसार वर्गीकृत किए जाते हैं:—

(क) आवर्ती व्यय

- (एक) वेतन और भत्ते,
- (दो) वर्दी और उपकरणों का वार्षिक प्रतिस्थापन,
- (तीन) यात्रा भत्ता,
- (चार) आकस्मिक व्यय,
- (पाँच) पेंशन अंशदान,
- (छः) अवकाश वेतन अंशदान,
- (सात) प्रशासनिक या पर्यवेक्षण प्रभार,
- (आठ) समूह बीमा प्रभार,
- (नौ) वार्षिक अभ्यास के लिए गोला-बारूद एवं आयुध के रख रखाव पर व्यय,
- (दस) वाहन और ईंधन (पेट्रोल, ऑयल, ल्यूब्रिकेन्ट) पर व्यय,
- (ग्यारह) कार्यालयीन व्यय एवं अन्य व्यय।

(ख) अनावर्ती व्यय

- (एक) प्रशिक्षण शुल्क,
- (दो) वर्दी और उपकरणों की प्रारंभिक आपूर्ति,

(तीन) पद और स्केल के अनुसार गोला-बारूद की प्रारंभिक आपूर्ति,

(चार) कार्यालय स्थापना व्यय।

(6) वसूली और प्रतिपूर्ति की लागत की गणना के लिए, प्रशासनिक प्रमुख या सेनानी द्वारा श्रेणीवार गणना पत्रक तैयार किया जाएगा और इसे संबंधित प्रबंधन को प्रस्तुत किया जाएगा ताकि परिनियोजन की औसत लागत से अवगत कराया जा सके। राज्य सरकार के आदेशों के अनुसार उक्त आवर्ती एवं अनावर्ती व्यय में समय-समय पर वांछित परिवर्तन किया जा सकता है।

38. प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया.— बल पर व्यय की प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से, निम्नलिखित देयक संबंधित उपक्रम/प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत किये जायेंगे :—

(क) **वेतन और भत्ते**— परिनियोजन के स्थान पर तैनात सी.जी.एस.आई.एस.एफ. कर्मियों के वेतन और भत्तों से संबंधित देयक सी.जी.एस.आई.एस.एफ. इकाइयों की वेतन एवं भत्ते पुस्तिका में यथा अभिलिखित वास्तविक व्यय के आधार पर तैयार किये जायेंगे। देयक में अन्य बातों के साथ-साथ प्रत्येक श्रेणी के व्यक्तियों जिनके लिए स्थापना बिल द्वारा उस माह के वेतन एवं भत्ते की निकासी की जाना है, की संख्या का उल्लेख किया जाएगा।

(ख) **प्रशिक्षण प्रभार**— प्रतिनियुक्ति के बाद, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. कर्मियों को उपक्रमों में परिनियोजन से पूर्व निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अनुसार छत्तीसगढ़ पुलिस के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण से संबंधित व्यय प्रशिक्षण प्रभार्य के रूप में संबंधित प्रबंधन से प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त किया जायेगा।

(ग) **वर्दी की प्रारंभिक लागत और वार्षिक प्रतिस्थापन प्रभार्य**— सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के प्रत्येक सदस्य को वर्दी तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रतिनियुक्ति या प्रशिक्षण के समय उपलब्ध कराये जायेंगे तथा उन्हें आवधिक अंतराल पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए लागू प्रतिस्थापन नियमों के अनुसार बदला जाएगा। इनकी प्रतिपूर्ति राशि की गणना अनुपातिक दर के आधार पर की जाएगी तथा बाजार में उतार-चढ़ाव के फलस्वरूप पुनरीक्षण के अध्यधीन होगी। स्थाई संख्या में परिनियोजित बल के लिए, वर्दी की प्रारंभिक लागत की प्रतिपूर्ति विहित दर पर संबंधित उपक्रम द्वारा की जाएगी तथा इसे केवल एक बार प्रतिपूर्ति किया जाएगा, तदनुसार प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रतिपूर्ति के लिए देयक उपक्रम को प्रस्तुत किया जाएगा।

वास्तविक प्रतिस्थापन प्रभार, पूरे वर्ष भर में उपक्रम में बल की औसत तैनाती के आधार पर वसूला जाएगा।

(घ) **सामग्री उपकरण, आयुध और गोला-बारूद की लागत**— उपकरण तथा सामग्री

की आपूर्ति राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। इन मदों से संबंधित देयक उपक्रम को प्रतिवर्ष अथवा इन्हें जब और जैसे आपूर्ति की जाएगी, प्रस्तुत किये जायेंगे। आयुध और गोला-बारूद की आपूर्ति भी राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। शर्त यह रहेगी कि इस संबंध में वार्षिक रखरखाव लागत (A.M.C.) उपक्रम द्वारा वहन की जाएगी और A.M.C. को प्रशासनिक प्रमुख द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा।

(ड.) वाहन की लागत—सामान्यतः वाहन तथा पीओएल (पेट्रोल, ऑयल, ल्यूब्रिकेन्ट) उपक्रम द्वारा सी.जी.एस.आई.एस.एफ. को सीधे उसके पैमाने और उपयोग के अनुसार उपलब्ध कराए जाएंगे, तथापि जहाँ सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के किसी विशेष इकाई को पुलिस मुख्यालय द्वारा वाहन उपलब्ध कराना आवश्यक हो, तो ऐसे मामलों में जब और जैसे ही वाहन उपलब्ध कराया जाएगा, वाहनों से जुड़े देयक संबंधित उपक्रम को प्रस्तुत किये जायेंगे। प्रभार्य दर वास्तविक होगी तथा इसमें पंजीयन शुल्क आदि आनुषंगिक व्यय शामिल होंगे।

(च) अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान— “बल के सदस्यों” का अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल एवं छत्तीसगढ़ पुलिस बल के समकक्ष पदों पर लागू नियम एवं शर्तों के अनुसार वास्तविक तैनाती के आधार पर प्रतिपूर्ति के रूप में संबंधित उपक्रम से लिया जायेगा।

(छ) प्रशासनिक या पर्यवेक्षण प्रभार— (एक) विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, सेनानी, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के कार्यालय पर होने वाले व्यय (अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन सहित) आयुध कर्मशाला तथा प्रशिक्षण स्थापना को चलाने तथा उसके अनुरक्षण पर आने वाले व्यय प्रशासनिक या पर्यवेक्षण प्रभार में शामिल होंगे। प्रशासनिक या पर्यवेक्षण प्रभार संबंधित “परिनियोजन के स्थान” पर तैनात बल के प्रतिमाह कुल व्यय से संबंधित प्रस्तुत प्रभार देयकों का 10 प्रतिशत होगा। प्रशासनिक या पर्यवेक्षण प्रभार से संबंधित देयक प्रबंधन को प्रस्तुत करने पर, देयक की प्रतिपूर्ति संबंधित प्रबंधन के द्वारा अधिकतम 30 दिवस के भीतर की जाएगी।

(दो) उपक्रम को समय-समय पर लागू करों का भुगतान करना होगा।

(ज) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के इकाई कार्यालय की आनुपातिक लागत— “परिनियोजन के स्थान” पर बल की तैनाती आवश्यकता अनुसार होगी, सेनानी/उप सेनानी/सहायक सेनानी से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे आवश्यकतानुसार “परिनियोजन के स्थान” में तैनात “बल के सदस्यों” के क्रिया-कलापों का पर्यवेक्षण करें। उनके मुख्यालय के व्यय की आनुपातिक प्रतिपूर्ति सेवा प्राप्त करने वाले उपक्रम से की जायेगी। इस संबंध में देयक भी अन्य देयकों के साथ उपक्रम को प्रस्तुत किये जायेंगे।

(झ) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. पर होने वाले लागत की प्रतिपूर्ति के लिए निम्न प्रकार

के देयक प्रस्तुत किये जायेंगे.-

- (1) वेतन देयक
- (2) अवकाश वेतन अंशदान देयक
- (3) पेंशन अंशदान देयक
- (4) सामग्री तथा उपकरण देयक
- (5) आयुध तथा गोला-बारूद देयक
- (6) वाहन तथा ईंधन की लागत के लिए देयक, यदि कोई हो, उपक्रम द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया हो।
- (7) प्रशिक्षण प्रभार तथा प्रशासनिक या पर्यवेक्षण प्रभार।

(ज) सरल क्रमांक (1) से (3) में सूचीबद्ध देयक, सेनानी द्वारा तैयार कर सी.जी.एस.आई.एस.एफ. मुख्यालय को भेजे जायेंगे, जहाँ विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा उनका परीक्षण किया जाएगा एवं परिक्षणोपरांत एक प्रति अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक (योजना/प्रबंध), पुलिस मुख्यालय को एवं एक प्रति संबंधित उपक्रम को भेजी जायेगी। अन्य देयक सी.जी.एस.आई.एस.एफ. मुख्यालय में तैयार किये जायेंगे तथा उपक्रमों को भेजे जायेंगे उपक्रम, पुलिस मुख्यालय को भुगतान करेंगे।

39. अग्रिम भुगतान की प्रतिपूर्ति.- राज्य सरकार अपने बजट से सी.जी.एस.आई.एस.एफ. कर्मियों के वेतन और भत्तों का अग्रिम भुगतान करेगी। संबंधित उपक्रम को निम्न निबंधन एवं शर्तों के अनुसार अग्रिम भुगतान की प्रतिपूर्ति करना होगा:-

- (एक) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के परिनियोजन हेतु दो माह के देयक (नियम-39 के अनुसार, यदि वाहन पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी जाती है तो वह भी देयक में शामिल होगा) के बराबर राशि प्रतिभूति के रूप में जमा करनी होगी।
- (दो) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. मुख्यालय से देयक प्राप्त होने के बाद उपक्रम के लिए यह अनिवार्य होगा कि वह समय पर प्रतिपूर्ति राशि जमा करें। इस उद्देश्य के लिए, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. मुख्यालय अगले महीने के पहले सप्ताह में अपना देयक प्रस्तुत करेगा ताकि उपक्रम 30 दिवस के भीतर भुगतान कर सके। व्यतिक्रम की स्थिति में उपक्रम पर 3% की प्रतिमाह

की दर से अधिभार लगाया जाएगा।

(तीन) यदि व्यतिक्रम की स्थिति लगातार दो महीने तक होती है, तो सी.जी.एस. आई.एस.एफ. को वापस ले लिया जाएगा।

(चार) (एक) से (तीन) तक के उपरोक्त निबंधन एवं शर्तें नए परिनियोजन तथा जहाँ सी.जी.एस.आई.एस.एफ. की संख्या में संवर्धन प्रस्तावित हो, के मामले में लागू होंगे।

40. **सेवा की अन्य शर्तें.**— सेवा की शर्तों से संबंधित सभी विषयों के संबंध में, जिनके लिए इन नियमों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है या अपर्याप्त प्रावधान किया गया है, बल के सदस्य राज्य सरकार के समकक्ष पदों पर कार्यरत कर्मचारियों पर ऐसे विषयों के संबंध में लागू नियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे।

अध्याय—पाँच **परामर्श और परिनियोजन**

41. **उपक्रमों को सशुल्क तकनीकी परामर्श व प्रशिक्षण सेवाएं.**— (1) सी.जी.एस.आई.एस.एफ., सार्वजनिक, संयुक्त या निजी क्षेत्र, स्वशासी निकायों या सरकार द्वारा अनुमोदित किसी अन्य संस्थान में औद्योगिक स्थापनाओं को निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर तकनीकी परामर्श व प्रशिक्षण सेवाएं प्रदान कर सकता है, जिसमें शामिल हो सकते हैं:—

(एक) औद्योगिक सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा से संबंधित समस्याओं का अध्ययन करना और उपयुक्त समाधान सुझाना।

(दो) औद्योगिक सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल का प्रसार करना, जिससे आवेदक या उसके कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षित किया जा सके। ये प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ औद्योगिक सुरक्षा बल प्रशिक्षण संस्थानों में या औद्योगिक प्रतिष्ठान में या पुलिस महानिदेशक अथवा विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा उपयुक्त समझे जाने वाले किसी अन्य स्थान पर आयोजित किये जा सकते हैं।

(तीन) औद्योगिक सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण और प्रमाणन पाठ्यक्रम आयोजित करना और इसके लिए निर्धारित शुल्क लेना।

परंतु ऐसे विभिन्न पाठ्यक्रमों का शुल्क पुलिस महानिदेशक या विशेष पुलिस महानिदेशक/ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा निर्धारित किया जायेगा।

- (चार) औद्योगिक सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा योजनाओं, उपायों, नियंत्रणों और प्रणालियों की योजना बनाना, रूपरेखा तैयार करना और उन्हें लागू करना।
- (पाँच) सुझाए गए उपायों, नियंत्रणों और प्रणालियों के कार्यान्वयन की निगरानी के बाद प्रतिक्रिया प्रदान करना।
- (छः) संचार नेटवर्क की योजना और रूपरेखा तैयार करना तथा संबंधित संचालन निर्देशों की तैयारी।
- (सात) औद्योगिक सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा से संबंधित निर्देशों, स्थायी आदेशों और संचालन प्रक्रियाओं का मसौदा तैयार करना।
- (आठ) आपदा प्रबंधन और आकस्मिक योजना तैयार करना, पर्यवेक्षण करना और इस तरह की योजनाओं के पूर्वाभ्यास का संचालन करना।
- (नौ) औद्योगिक सुरक्षा, औद्योगिक संरक्षा या अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में ऑडिट (निरीक्षण) करना।
- (दस) स्वतंत्र रूप से या आवेदकों और औद्योगिक सुरक्षा, औद्योगिक संरक्षा, अग्नि सुरक्षा और संबंधित मामलों के क्षेत्र में प्रतिष्ठित एजेंसियों के साथ सहयोग में अनुसंधान और विकास गतिविधियों को करना।
- (2) किसी भी उपक्रम के प्रबंध निदेशक या उनके द्वारा अधिकृत किसी अन्य व्यक्ति से अनुरोध प्राप्त होने पर, राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए सामान्य निर्देशों के अध्यक्ष, पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ यदि उपयुक्त समझते हैं, तो वे अनुरोध की जांच के बाद प्रबंध निदेशक या उनके अधिकृत व्यक्ति को तकनीकी परामर्श सेवाएं प्रदान करने की शर्त और नियम भेज सकेगा और तकनीकी परामर्श श्रृंखला के लिए निर्धारित शुल्क जमा करने के लिए कह सकेगा।
- (3) उपक्रम के प्रबंध निदेशक से निर्धारित शुल्क प्राप्त होने पर, पुलिस महानिदेशक संबंधित औद्योगिक उपक्रम से जुड़े किसी भी विषय पर तकनीकी अध्ययन करने के लिए बल के किसी भी अधिकारी को नामांकित कर सकते हैं या अधिकारियों की एक टीम का गठन कर सकते हैं।
- (4) उपक्रमों से समय-समय पर निर्धारित किए गए अनुसार परामर्श शुल्क लिया जाएगा।
42. **किसी भी संघ के गठन पर प्रतिबंध.**— “बल के सदस्यों” को अधिनियम की धारा 18 एवं छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 का पालन करना होगा।
43. **परियोजन के स्थान में तैनाती की प्रक्रियाएं.**— (1) यदि कोई “परिनियोजन का स्थान” सी.जी.एस.आई.एस.एफ. को अपनी सुरक्षा के लिए परिनियोजित करना चाहता

है, तो उसे इस

प्रयोजन के लिए पुलिस महानिदेशक को अनुरोध पत्र देना होगा।

- (2) अनुरोध पत्र प्राप्त होने पर, पुलिस महानिदेशक द्वारा विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. की अध्यक्षता में संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड गठित किया जायेगा जिसमें सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, सेनानी एवं संबंधित उपक्रम का एक वरिष्ठ प्रतिनिधि सदस्य होगा। इसके अलावा संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड में पुलिस महानिदेशक द्वारा नामांकित अन्य तकनीकी सदस्य भी सम्मिलित होंगे।
- (3) पुलिस महानिदेशक संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड को सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के "बल के सदस्यों" के उपयोग और अन्य मूल्यांकन के लिए सर्वेक्षण करने का निर्देश देंगे।
- (4) अनुरोध पर तभी विचार किया जाएगा जब सर्वेक्षण संचालन के लिए विहित शुल्क एक लाख रुपये (₹ 1,00,000/-) जमा किया जायेगा। उक्त शुल्क को पुलिस महानिदेशक द्वारा समय-समय पर पुनरीक्षित किया जा सकेगा।
- (5) संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड को "बल के सदस्यों" की आवश्यकता के मूल्यांकन के मापदंडों का पालन करेगा ताकि उपक्रम की सुरक्षा और खतरों की स्थिति का विश्लेषण किया जा सके।

44.

संयुक्त सर्वेक्षण.- (1) संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड, जिसमें सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के पर्यवेक्षण अधिकारी और उपक्रम का वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होगा, को "बल के सदस्यों" की आवश्यकता निर्धारित करते समय निम्नलिखित पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए, अर्थात्:-

- (एक) उपक्रम का स्थान,
- (दो) सुरक्षा खतरों के प्रति संवेदनशीलता और जोखिम,
- (तीन) परियोजना में पूंजी निवेश,
- (चार) क्षेत्र में प्रचलित कानून-व्यवस्था की स्थिति, जिसमें अपराध प्रवृत्तियां भी शामिल हैं,
- (पाँच) श्रमिक स्थिति,
- (छः) उपक्रम का महत्व,
- (सात) आर्थिक स्थिति,

- (आठ) भौतिक सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता, जैसे—परिधि दीवार, ऊंचे कांटेदार तार/कंसर्टिना तार की बाड़, प्रवेश और निकास द्वार, वॉच टावर, प्रकाश व्यवस्था, परिधि गश्त के लिए स्पष्ट क्षेत्र आदि,
- (नौ) परिष्कृत इलेक्ट्रानिक गैजेट्स का उपयोग, जैसे सी.सी.टी.वी.,
- (दस) श्वानों के दस्तों का उपयोग,
- (ग्यारह) अग्निशमन व्यवस्थाएं,
- (बारह) अन्य तथ्य जो आवश्यक समझें।
- (2) औद्योगिक सुरक्षा केवल चोरी और क्षति से सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य खतरों से भी सुरक्षा प्रदान करती है। इसमें तोड़फोड़, जासूसी, साइबर हमला, अतिवादी, आतंकवादी और अन्य किसी भी संभावित घटना से सुरक्षा शामिल है। कुछ मामलों में नागरिक सुरक्षा योजना और प्रशिक्षण की भी आवश्यकता हो सकती है। प्रबंधन, जिसने उपक्रम की सुरक्षा सी.जी.एस.आई.एस. एफ. को सौंप दी है या सौंपने का प्रस्ताव किया है, को सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा सुरक्षा खतरों की पूरी समझ बनाने और उचित एवं आवश्यक सुरक्षा उपायों को लागू करने में सहायता प्रदान की जाएगी।
- (3) उपरोक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी, अर्थात्:—
- (एक) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के परिनियोजन के लिए सुरक्षा आवश्यकताओं पर विस्तृत सर्वेक्षण करना होगा।

- (दो) सुरक्षा प्रावधानों को निर्धारित करते समय, इस बात का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से क्या वांछनीय है और वित्तीय प्रभावों को ध्यान में रखते हुए क्या उचित और स्वीकार्य है ?
- (तीन) जोखिम का भार की तुलना हमेशा उस लागत के भार से की जानी चाहिए जो जोखिम से सुरक्षा प्राप्त करने के लिए आवश्यक होगी।
- (चार) अति संवेदनशीलता मात्र को सुरक्षा प्रावधानों के लिए औचित्य नहीं माना जा सकता।
- (पाँच) अति संवेदनशीलता की सीमा को विभिन्न कारकों जैसे समय की हानि, मरम्मत की लागत या प्रतिस्थापन की लागत के प्रभाव के संदर्भ में जांचा जाना चाहिए।
- (छः) जहाँ "अति संवेदनशीलता" का आकलन सी.जी.एस.आई.एस.एफ. अधिकारियों द्वारा प्रबंधन के परामर्श से किया जाएगा वही गंभीरता का निर्धारण पूरी तरह से प्रबंधन द्वारा निर्धारित किया जाएगा।
- (सात) जहाँ किसी, स्थान या क्षेत्र या स्थापना को अति संवेदनशील माना जाता है, उसे आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण न माने जाने के कारण पर्याप्त सुरक्षा कवच के बिना छोड़ जाना है, तो सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस तथ्य को विनिर्दिष्ट रूप से अभिलिखित किया जाएगा।
- (4) (एक) संयुक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट में प्रत्येक कर्तव्य बिन्दु के लिए "बल के सदस्यों" की आवश्यकता हेतु विस्तृत औचित्य शामिल होना चाहिए, और
- (दो) सामान्य कर्तव्य बिन्दुओं जैसे कि नियंत्रण कक्ष, रिजर्व बल, प्रशासनिक कार्य, अनुसचिवीय अधिकारी, पर्यवेक्षक स्टाफ, परिवहन और रिजर्व का विवरण परिशिष्ट 'घ' यथा विनिर्दिष्ट तैयार किया जायेगा।
- (तीन) पुलिस अधीक्षक, दूरसंचार से अनुरोध किया जाएगा कि वे एक तकनीकी अधिकारी को नियुक्त करें, जो विशेष रूप से संवेदनशील प्रतिष्ठानों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच करें और स्थापना की सिफारिश करें।
- (चार) यह टीम भविष्य में प्रतिष्ठानों के विकास को भी ध्यान में रखेगी और तदनुसार "बल के सदस्यों" की सिफारिश करेगी।
- (पाँच) निर्धारित मानदंडों से किसी भी प्रकार का विचलन एक विस्तृत औचित्य के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(छः) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. "बल के सदस्यों" की आवश्यकताओं और उपयोग का आकलन करते समय, आवास की आवश्यकता (कार्यालय, बैरक, कर्मचारियों के लिए क्वार्टर, क्वार्टर गार्ड, शस्त्रागार, परेड ग्राउंड के लिए स्थान आदि) और अन्य सुविधाएं जैसे कि चिकित्सा, स्कूल, कैंटीन, स्टेशनरी, टेलीफोन आदि को ध्यान में रखा जाएगा।

(सात) परिवहन और उपकरण आदि का प्रबंधन सर्वेक्षण अधिकारी द्वारा विस्तृत विवरण के साथ प्रबंधन को संयुक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट में अभिलिखित नोट के साथ प्रदान किया जाएगा।

(आठ) कार्यालय फर्नीचर, बैरक फर्नीचर, कारीगर उपकरण और खाना पकाने के बर्तन आदि की दरें प्रशासनिक प्रमुख द्वारा निर्धारित की जाएंगी।

(नौ) सर्वेक्षण रिपोर्ट में निम्न बिन्दुओं को भी शामिल किया जाएगा, अर्थात्:-

(क) प्रतिष्ठान का संक्षिप्त इतिहास;

(ख) संयुक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट जिसमें प्रत्येक कर्तव्य बिंदु के नाम, वहां किए जा रहे कार्यों का विवरण, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा प्रत्येक कर्तव्य बिंदु पर किए जाने वाले कर्तव्यों का विवरण और प्रत्येक कर्तव्य बिंदु पर आवश्यक "बल के सदस्यों" का विवरण शामिल होगा;

(ग) उपक्रम के ब्लूप्रिंट, जिसमें सभी कर्तव्य बिन्दु जो सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा प्रबंधित किया जाना है, समुचित रूप से चिह्नित हो;

(घ) कर्तव्य बिन्दुवार परिनियोजित तालिका;

(ङ) कर्तव्य बिन्दुवार विश्लेषण तालिका, जिसमें मानकों के अनुसार आवश्यक "बल के सदस्यों" की संख्या, मौजूदा "बल के सदस्यों" की संख्या, और सर्वेक्षण टीम द्वारा आंकी गई "बल के सदस्यों" की संख्या को दिखाया जाएगा;

(च) संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड के सदस्यों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित एवं भरा गया परिशिष्ट 'ड';

(छ) उपरोक्त वर्णित सभी दस्तावेजों पर सर्वेक्षण अधिकारी और प्रबंधन प्रतिनिधि के हस्ताक्षर होंगे।

- (5) सर्वेक्षण पूरा होने के पश्चात्, संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड द्वारा सर्वेक्षण रिपोर्ट पुलिस महानिदेशक को प्रस्तुत करेगा एवं एक प्रति संबंधित उपक्रम के प्रबंधन को उपलब्ध कराएगा।
- (6) सर्वेक्षण रिपोर्ट का विश्लेषण छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय, रायपुर में किया जाएगा, जिसमें सर्वेक्षण टीम की सिफारिशों और सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक द्वारा निर्धारित मानकों को ध्यान में रखा जाएगा।
- (7) पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ से संबंधित उपक्रम को एक विस्तृत पत्र भेजा जाएगा, जिसकी एक प्रति पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक एवं सेनानी, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. को दी जाएगी। इसमें निम्नलिखित बिंदुओं को निर्दिष्ट किया जाएगा, अर्थात्:-

- (एक) आंकी गई "बल के सदस्यों" की संख्या का पदवार विभाजन;
- (दो) कर्तव्य बिन्दुवार परिनियोजन तालिका (संलग्न की जायेगी);
- (तीन) बल की तैनाती में शामिल वित्तीय प्रभाव, आवर्ती और गैर-आवर्ती खर्च;
- (चार) परिवहन की आवश्यकता;
- (पाँच) आवास की आवश्यकता, क्वार्टर गार्ड, शस्त्रागार, कार्यालय, परेड ग्राउंड आदि;
- (छ:) प्रबंधन की सहमति प्राप्त होने के बाद, आवश्यक पदों की संख्या के लिए प्रशिक्षित "बल के सदस्यों" की संख्या की उपलब्धता और पूर्व-प्रवेश औपचारिकताओं की पूर्णता पर ही परिनियोजित किया जाएगा।

45. **उपक्रम में परिनियोजन की न्यूनतम संख्या.-** सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से एक उपक्रम में न्यूनतम संख्या से कम "बल के सदस्यों" को तैनात नहीं किया जायेगा। किसी भी उपक्रम में तैनात बल की संख्या 59 (कार्यपालक एवं अनुसचिवीय अधिकारी को सम्मिलित कर) से कम नहीं होगी, जिसकी संरचना पुलिस महानिदेशक द्वारा तय की जायेगी।

46. **औपचारिक अनुरोध.-** (1) संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड द्वारा प्रस्तुत सर्वेक्षण रिपोर्ट पर सैद्धांतिक सहमति होने पर संबंधित उपक्रम पुलिस महानिदेशक को औपचारिक

अनुरोध प्रस्तुत करेगा।

(2) उपक्रम से औपचारिक अनुरोध प्राप्त होने पर, पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ द्वारा सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के उपयोग के लिए शासन को एक प्रस्ताव प्रस्तुत करेगा। शासन द्वारा अनुमोदन पश्चात् ही सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुसार बल को तैनात किया जायेगा। संबंधित उपक्रम और सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के पुलिस महानिरीक्षक को शासन से प्राप्त अनुमोदन के बारे में सूचित किया जाएगा ताकि प्रबंधन पूर्व-प्रवेश औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए कार्रवाई कर सके।

47.

पूर्व-प्रवेश औपचारिकताएं.— संबंधित उपक्रम और सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक पूर्व-प्रवेश औपचारिकताओं की शीघ्र पूर्ति सुनिश्चित करेंगे, जिसमें मुख्य रूप से गेट, कार्यालय, नियंत्रण कक्ष, सुरक्षा कार्यालय, आवास, परेड ग्राउंड, खेल का मैदान, मनोरंजन कक्ष और अन्य संबद्ध सुविधाएं जो कि प्रशासनिक प्रमुख द्वारा निर्धारित की जायेंगी, शामिल होंगी, सर्वेक्षण रिपोर्ट के मूल्यांकन के अनुसार परिवहन और अन्य आवश्यक वस्तुओं जैसे कि बर्तन, फर्नीचर (सभी कार्यालयों और स्थानों के लिए), क्वार्टर गार्ड वस्तुएं, कारीगरों के लिए उपकरण आदि की व्यवस्था की जाएगी।

48.

अग्रिम दल.— (1) जैसे ही पूर्व-प्रवेश औपचारिकताएं पूर्णता के चरण तक पहुंचती हैं, उपक्रम के प्रबंधन के अनुरोध पर, विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा, स्वीकृत संख्या में से अग्रिम दल, उपक्रम में तैनात किया जाएगा ताकि प्रबंधन को पूर्व-प्रवेश औपचारिकताओं को पूरा करने में सहायता मिल सके।

(2) अग्रिम दल पूर्व-प्रवेश औपचारिकताओं की पूर्णता पर सी.जी.एस.आई.एस.एफ. मुख्यालय को पाक्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा। औपचारिकताओं की पूर्ति होने पर, विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. उपक्रम के प्रबंधन के परामर्श से परिनियोजन की तिथि निर्धारित करेंगे और बल की वास्तविक तैनाती से पहले बल इकट्ठा होने की तिथि और स्थान की जानकारी देंगे।

49.

बल की तैनाती.— (1) बल की सुचारु तैनाती सुनिश्चित करने के लिए पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ द्वारा आदेश जारी किए जाएंगे। इनमें तैनाती की तिथि, स्थान और बल इकट्ठा होने की तिथि निर्दिष्ट होगी। इन आदेशों की प्रतियां प्रबंधन और पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक एवं सेनानी, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. को भेजी जाएगी।

(2) विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. सेनानी या उप सेनानी को तैनाती की प्रक्रिया की जिम्मेदारी सौंपेंगे। अधिकारी तैनाती की प्रक्रिया पूरी करेगा और इसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, जिसमें तैनाती के दौरान आई समस्याएं, पूर्व-प्रवेश औपचारिकताओं में कोई कमी (यदि हो), स्वीकृत बल की संख्या और पदवार तैनाती शामिल होगी।

50. **तैनाती के बाद.**— तैनाती से संबंधित रिपोर्ट सी.जी.एस.आई.एस.एफ. मुख्यालय द्वारा पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ गृह (पुलिस) विभाग को भेजी जाएगी।

51. **पुनः सर्वेक्षण.**— (1) उन उपक्रमों के संबंध में अनिवार्य रूप से पुनः सर्वेक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें कुछ वर्ष पूर्व सी.जी.एस.आई.एस.एफ. की इकाई स्थापित की गयी थी एवं विभिन्न कारकों के कारण तैनात बल परिवर्तन या संशोधन की आवश्यकता है। कुछ कारक नीचे दिए गए हैं, अर्थात्:—

(एक) उपक्रम में बल की संख्या की कमी :—

(क) मूल्यांकन के समय आवश्यकता से कम बल की संख्या निर्धारित की गई थी।

(ख) (एक) पैदल चलने वाले या वाहन यातायात या रेलवे द्वार का निर्माण।

(दो) वॉच टॉवर का निर्माण।

(तीन) ऐसी घटनाएँ जिनका पहले अनुमान नहीं लगाया जा सकता था।

(दो) अन्य घटनाओं के कारण बल की संख्या में कमी, अर्थात्:—

(क) उपक्रम के क्षेत्राधिकार सीमाओं की मानक ऊंचाई विनिर्देश अनुसार परिधि दीवारों से घेराबंदी।

(ख) टाउनशिप गश्त के लिए प्रदान किये गये बल को वापस लेना।

(ग) उपक्रम के अधीन यूनिट को समय पूर्ण होने से नष्ट करना।

(घ) परियोजना या क्षेत्र के आधार पर कोई अन्य विशिष्ट कारण।

(2) संबंधित उपक्रम स्वयं या स्थानीय सी.जी.एस.आई.एस.एफ. अधिकारियों के कहने पर सी.जी.एस.आई.एस.एफ. अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप बल की संख्या में कमी या कटौती की दशा में पुनः सर्वेक्षण के लिए अनुरोध कर सकते हैं। समन्वय सुनिश्चित करने के लिए उपक्रम के प्रतिनिधि को अनिवार्य रूप से पुनः सर्वेक्षण टीम के सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा और प्रतिनिधि स्वयं निम्नलिखित से उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त व्यय सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखेगा, अर्थात्:-

(एक) संबंधित उपक्रम के लिए बल का अधिक मूल्यांकन, जो कुछ समय से अस्तित्व में हैं, खासकर जब क्षेत्र, परिधि, संचालन की अवधि, आगंतुकों या मजदूरों की इनपुट या आउटपुट संख्या आदि जिसके संदर्भ में सुरक्षा प्रदान किया गया था, में सराहनीय परिवर्तन नहीं हुआ है।

(दो) प्रशासनिक नियंत्रण के विभिन्न कर्तव्य बिंदुओं के लिए मानदंडों में संशोधन के कारण अतिरिक्त बल की सिफारिश।

(तीन) अतिरिक्त सतर्कता के आधार पर अतिरिक्त बल की सिफारिश।

(3) पुनः सर्वेक्षण अनिवार्य रूप से संबंधित प्रबंधन के वरिष्ठ सदस्यों के सहयोग से किया जाएगा। पुनः सर्वेक्षण रिपोर्ट में निम्नलिखित दस्तावेज शामिल होंगे, अर्थात्:-

(एक) उपक्रम का संक्षिप्त इतिहास जो उन कारकों पर प्रकाश डालता है जिसके कारण पुनः सर्वेक्षण आवश्यक हो गया है।

(दो) पुनः सर्वेक्षण अधिकारी और उपक्रम के प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित तैनात बल की संख्या में संशोधन का विस्तृत औचित्य।

(तीन) दो भागों में विभाजित कर्तव्य बिंदु अनुसार तैनाती विवरण का चार्ट। चार्ट के बाईं ओर पुनः सर्वेक्षण से पहले मौजूदा तैनाती दिखाई जाएगी और दाईं ओर संबंधित प्रस्तावित तैनाती इस तरह दिखाई जाएगी कि बल की संख्या में सभी संशोधन स्पष्ट रूप से सामने आयें। यह विवरण दस्तावेज सर्वेक्षण अधिकारी और प्रबंधन के प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा।

(चार) पुनः सर्वेक्षण के पश्चात् कार्यशील होने वाले सभी कर्तव्य बिंदु चिन्हित सत्यापित दस्तावेज की प्रतियां।

- (4) पुनः सर्वेक्षण रिपोर्ट विशेष पुलिस महानिदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. को भेजी जाएगी जो इसका आगे परीक्षण करेंगे और अपनी सिफारिशों और आवश्यक दस्तावेजों के साथ इसे, पुलिस महानिदेशक को अग्रेषित करेंगे। इन रिपोर्ट की आगे जांच पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ में की जाएगी और पुलिस महानिदेशक द्वारा अनुमोदित की जाएगी। पुलिस महानिदेशक के अनुमोदन पश्चात् प्रबंधन को अतिरिक्त संख्या बल के लिए औपचारिक अनुरोध पत्र देने के लिए कहा जाएगा एवं उपलब्धता के आधार पर बल तैनात किया जाएगा।
- (5) उपक्रम के पुनः सर्वेक्षण अनुरोध पर तभी विचार किया जाएगा जब सर्वेक्षण संचालन के लिए आवश्यक शुल्क पचास हजार रुपये (₹ 50,000/-) जमा किया जाए। उक्त विहित शुल्क को पुलिस महानिदेशक द्वारा समय-समय पर पुनरीक्षित किया जा सकेगा।

52. **भौतिक सुरक्षा.**— भौतिक सुरक्षा से तात्पर्य उन उपायों से संबंधित है जो चोरी, तोड़फोड़, अतिवादी घटना, अनाधिकृत प्रवेश आदि से सुरक्षा प्रदान करती है। भौतिक सुरक्षा योजना में उपक्रम की परिधि और इमारतों और भवन के आंतरिक भाग और इसकी सामग्री के साथ-साथ महत्वपूर्ण स्थापना की सुरक्षा शामिल है। भौतिक सुरक्षा निर्देश का विवरण प्रशासनिक प्रमुख, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा संबंधित उपक्रम से परामर्श करके तय किया जायेगा।

अध्याय—छ:

विविध

53. **इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग.**— आधुनिक/अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों या प्रणालियाँ जिनका उपयोग विश्व भर में सुरक्षा बलों द्वारा किया जा रहा है, उन्हें बेहतर सुरक्षा प्रावधान के लिए विभिन्न उपक्रमों में उपयोग किया जाना चाहिए। प्रशासनिक प्रमुख, सी.जी.एस.आई.एस.एफ. समय-समय पर संबंधित उपक्रम को इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य आवश्यक उपकरण की सूची प्रस्तुत करेंगे।
54. **निर्वचन.**— यदि इन नियमों के निर्वचन के संबंध में कोई भी प्रश्न उद्भूत हो तो वह राज्य सरकार को भेजा जाएगा, जिस पर उसका निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
रमेश कुमार शर्मा, सचिव.

परिशिष्ट-क
प्रतिनियुक्ति के संदर्भ में शपथ-पत्र
(नियम 17 देखिये)
 पद ग्रहण करने से पूर्व हस्ताक्षर किया जाने वाला

शपथ-पत्र

मैं (पूरा नाम).....पिता का पूरा नाम.....स्थायी पता
का निवासी हूँ जो छत्तीसगढ़ पुलिस
 बल/छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल का सीधी भर्ती वर्ष.....पदनाम.....संवर्ग का सदस्य हूँ एवं
 मूल इकाई में वर्तमान पदनाम.....है। एतद् द्वारा शपथ लेता/लेती हूँ कि :-

1. छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल में जहाँ कहीं भी मुझे प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जायेगा, मैं सेवा करने के लिए तैयार हूँ;
2. मैं तब तक छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल में अपनी सेवाएं देता/देती रहूंगा/रहूंगी, जब तक कि मैं छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति सेवा की निर्धारित अवधि पूरी नहीं कर लूं; और
3. मैं अधिनियम एवं नियम के शर्तों के अधीन रहते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करूंगा/करूंगी।

उपरोक्त शपथ-पत्र मुझे पढ़कर सुनाया गया है, समझाया गया है और मैं इसे स्वीकार करता हूँ।

हस्ताक्षर

दिनांक

स्थान.....

मैं (पूरा नाम).....पिता का पूरा नाम.....स्थायी पता
का निवासी हूँ जो
 (राजपत्रित) के पद पर कार्यरत हूँ। मेरे समक्ष उपर्युक्त शपथ-पत्र पर उपरोक्त अधिकारी द्वारा
 हस्ताक्षर किया गया है।

दिनांक

स्थान

हस्ताक्षर
(पद मुद्रा एवं सील सहित)

परिशिष्ट-ख
निष्ठा की शपथ
(नियम 20 देखिये)

मैं (पूरा नाम).....पिता का पूरा नाम..... स्थायी पता
पदनाम.....सत्यनिष्ठा से शपथ लेता/लेती
 हूँ कि मैं छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के प्रति सच्ची निष्ठा रखूँगा/रखूँगी और
 अधिनियम एवं नियम द्वारा स्थापित बल के प्रति वफ़ादार रहूँगा/रहूँगी। मैं भारत की प्रभुता
 और अखंडता को अक्षुण्ण रखूँगा/रखूँगी और अधिनियम एवं नियम के शर्तों के अधीन रहते
 हुए अपने पद के कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक, ईमानदारी से और बिना किसी भय या पक्षपात के,
 पालन करूँगा/करूँगी।

दिनांक

हस्ताक्षर.....

स्थान

परिशिष्ट—ग
नियुक्ति प्रमाण पत्र
(अधिनियम की धारा 5(1) एवं नियम 20 देखिये)

श्री.....पिता का पूरा नाम.....
छत्तीसगढ़ राज्य में, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्त पर पदनाम.....
.....पर नियुक्त किये गये हैं और उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम,
2025 (क्रमांक 15 सन् 2025), के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारी
की शक्तियां, कार्य और विशेषाधिकार सौंपे गये हैं।

हस्ताक्षर
नियुक्ति प्राधिकारी का नाम
(पद मुद्रा एवं सील सहित)

परिशिष्ट-घ
संयुक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुसार कर्तव्य बिन्दुवार विश्लेषणात्मक सारणी
(नियम 44 उप-नियम (4) खण्ड (दो) देखिये)

सरल क्र.	कर्तव्य बिन्दु	मापदण्डों के अनुसार बल	सर्वेक्षण दल द्वारा यथानिर्धारित बल	पुनःसर्वेक्षण की स्थिति में विद्यमान बल	अभ्युक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

सर्वेक्षण द्वारा यथानिर्धारित एवं मापदण्डों द्वारा यथाअपेक्षित संख्याबल में किसी भी प्रकार के विचलन का विस्तृत औचित्य अभ्युक्ति स्तंभ में दिया जायेगा।

(संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड के अध्यक्ष/सदस्यों का)

नाम एवं हस्ताक्षर

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

परिशिष्ट-ड
सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के परिनियोजन हेतु सर्वेक्षण
(नियम 44 उप-नियम (4) खण्ड (नौ) उप-खण्ड (च) देखिये)

सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के परिनियोजन हेतु संख्या बल निर्धारण से संबंधित सूचनाएँ
भाग-एक
प्रारंभ

1. मंत्रालय/विभाग का नाम जिसके साथ यह उपक्रम संलग्न है।
2. (1) पुलिस थाना (2) जिला (3) राज्य, जहाँ यह उपक्रम स्थित है।
3. प्रबंधन की संरचना, शीर्ष प्रबंधन (अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक, महाप्रबंधक, मुख्य परियोजना प्रबंधक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी आदि) के नाम और पते।

भाग-दो
सुरक्षा जोखिम का आंकलन

1. उपक्रम की पूंजीगत लागत, अनुमानित लागत क्या है? वार्षिक व्यापारावर्त (टर्नओवर) क्या है?
2. उपक्रम द्वारा निर्मित उत्पाद तथा दी जाने वाली सेवाएँ।
3. प्रबंधन के अनुमान के अनुसार विनिर्माण तथा गैर-विनिर्माण दोनों के संवेदनशील तथा अतिसंवेदनशील क्षेत्र क्या हैं?
4. उपक्रम में नक्सल हमला, चोरी, उठाईगिरी, तोड़फोड़, सायबर खतरा, अन्य से होने वाली हानि अथवा नुकसान या क्षति के अन्य स्वरूपों के विशेष संदर्भ में सुरक्षा के जोखिम क्या हैं ? (यहाँ केवल संक्षिप्त अनुमान आवश्यक है।)
5. विशेष जोखिम, जैसे बाढ़, आगजनी अथवा अन्य प्राकृतिक विपदाएँ, यदि कोई हो, जिनसे सुरक्षा की जानी है।
6. क्या यह स्थान संरक्षित/निषिद्ध घोषित है? यदि हाँ, तो आदेश के संदर्भ तथा तिथि का उल्लेख करें।
7. क्या विशेष शाखा द्वारा मुआयना किया गया है ? (यदि हाँ तो उपलब्ध होने पर उसके अद्यतन प्रतिवेदन तथा उसकी अनुशंसाओं के अनुपालन से संबंधित प्रगति प्रतिवेदन संलग्न किया जाये। इसे वर्गीकृत कागजात के रूप में भेजा जाये।)

भाग-तीन कर्मचारी/श्रमिक

1. (क) उपक्रम में उपस्थित मासिक कर्मचारियों की संख्या।
(ख) उपक्रम में नियोजित श्रमिकों की कुल संख्या।
2. विद्यमान संघों की संख्या। प्रत्येक संघ का संख्याबल तथा उनकी राजनीतिक संबद्धता किनके साथ है?
3. संघों के पदधारकों के नाम, पते और उनकी संबद्धता का विवरण दें।
4. सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के परिनियोजन के संबंध में संघों का संभावित रुख क्या है?

भाग-चार भौतिक एवं वैयक्तिक सुरक्षा

1. परिसर की सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्थाएं की गई हैं और क्या वे पर्याप्त हैं? निम्नलिखित के संबंध में विशेष उल्लेख सहित रिपोर्ट के स्पष्टीकरण तथा सरलीकरण के लिए महत्वपूर्ण विशेषताओं को उपदर्शित करने के लिए क्षेत्र का रेखाचित्र अथवा मानचित्र संलग्न किया जाय :
(क) बाड़ की ऊंचाई सहित उसका प्रकार तथा क्या बाड़ के ऊपर अतिरिक्त सुरक्षा के लिए कांटेदार तार और शीशों के टुकड़े लगाये गये हैं अथवा नहीं ?
(ख) परिसर के किसी भाग में यदि सुरक्षा को कमजोर करने वाला कोई भवन अथवा जलीय ढाँचा अथवा सटी हुई कोई ऊँची जमीन/इमारत अथवा ऐसी कोई प्राकृतिक संरचना है तो उसके लिए अपनाये जानेवाले विशेष सुरक्षा मानक।
(ग) क्या जनोपयोगी सुविधाएँ खुले में हैं तथा बाहरी खिड़कियाँ और दरवाजे समुचित रूप से सुरक्षित हैं?
(घ) सुरक्षाकर्मियों और अनुरक्षण कर्मियों द्वारा बाड़ परिसर के निरीक्षण की आवृत्ति क्या होगी?
(ङ.) क्या बाड़ परिसर का बाहरी और भीतरी खाली क्षेत्र सुरक्षित है, यदि नहीं तो क्या इसे सुरक्षित करना संभव है?
(च) क्या बाड़ पर चेतावनी संकेतों का प्रयोग हुआ है ? यदि हाँ, तो उनका आकार और उनकी अवस्थिति उपलब्ध करायें।
(छ) क्या परिसर में कहीं कोई निषिद्ध क्षेत्र है ?
(ज) बाड़ परिसर की वर्तमान स्थिति, क्या बाड़ के भीतर कोई छिद्र अथवा सुरंग है ?

- (झ) क्या परिधि के निकट किसी ओर कोई कबाड़ कक्ष अथवा रद्दी का ढेर है ?
- (ञ) क्या वाहन बाड़ तक पहुँच सकते हैं ? यदि हाँ तो बाड़ के निकट किस बिन्दु तक वाहन पार्क किये जा सकते हैं ? बाड़ परिधि के निकट बाड़ पर चढ़ने के लिए सीढ़ी के रूप में वाहन का उपयोग किये जाने की क्या संभावना है ?
- (ट) क्या बाड़ परिसर के निकट कोई विशेष कमजोर स्थान है जैसे रेलवे लाईन या सार्वजनिक सड़क या जलधारा या जलजमाव या जलनिकास या अन्य कोई खुला स्थान जिससे होकर अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश कर सकते हैं ?
- (ठ) क्या वहां विनिर्दिष्ट चौकी के लिए कोई निगरानी टॉवर अथवा गार्ड हट है?
- (ड) क्या गश्ती की व्यवस्था है ? यदि है तो परिवहन के लिए कौन सा माध्यम इस्तेमाल किया जाता है ? गश्ती कार्य की आवृत्ति क्या रखी गई है ? परिसर की संरक्षा कार्य में गश्ती टीम द्वारा संचार हेतु कौन सा साधन इस्तेमाल किया जाता है ?
- (ढ) क्या उपक्रम परिसर में सी.सी.टी.वी. कैमरा लगे हैं ? यदि हाँ तो उनका प्रकार, रिकार्डिंग संग्रहण क्षमता एवं स्थान का उल्लेख करें। सी.सी.टी.वी. की मॉनिटरिंग हेतु क्या व्यवस्था है ?
- 2. निम्नलिखित के विशेष संदर्भ में प्रवेश मार्ग की सुरक्षा प्रणाली तथा उसकी पर्याप्तता क्या है ?**
- (क) वाहनों तथा पैदल आगन्तुकों के लिए सक्रिय द्वारों की संख्या, प्रकार तथा उनकी अवस्थिति एवं द्वारों के खुले रहने की अवधि।
- (ख) क्या कोई निष्क्रिय द्वार है ? यदि है तो उनका विवरण दें तथा उनका इस्तेमाल किन अवसरों पर किया जाता है, का उल्लेख करें।
- (ग) क्या चाबी नियंत्रण की कोई यथोचित प्रणाली प्रचलन में है ?
- (घ) क्या सक्रिय द्वारों पर समुचित प्रकाश व्यवस्था है, जिससे गुजरने वाले वाहनों में बैठे लोगों की अथवा उसमें रखी गई सामग्री के निरीक्षण में प्रहरी को सहायता मिल सके ?
- (ङ.) जब प्रवेश द्वार इस्तेमाल नहीं किये जा रहे होते हैं, तब क्या वे सुरक्षित रूप से ताला-बन्द रहते हैं ?
- (च) क्या प्रवेश एवं निकास द्वार व्यस्त समय के दौरान वाहनों और पहचान पत्रों को उचित जाँच सुविधा के लिए डिजाइन किया गया है? प्रवेश तथा निकासी द्वार की सुरक्षा की क्या व्यवस्था है?
- (छ) क्या प्रवेश द्वार तथा निकास द्वार में सी.सी.टी.वी. कैमरा लगे हैं ? यदि हाँ तो

उनका प्रकार, रिकार्डिंग संग्रहण क्षमता एवं दिशा का उल्लेख करें। वहां सी.सी.टी. व्ही. की मॉनिटरिंग हेतु क्या व्यवस्था है ?

3. उन क्षेत्रों में जहाँ सामान प्राप्त किया जाता है कर्मचारियों के वाहनों आदि की जाँच की क्या व्यवस्था है तथा उनकी पर्याप्तता या अपर्याप्तता निम्नलिखित के विशेष संदर्भ में क्या है :

- (क) प्रवेश तथा निकास के बिन्दु क्या है तथा वहाँ कितने आदमी तैनात हैं ?
- (ख) माल अन्दर तथा बाहर परिवहन के लिए प्रयुक्त परिवहन के साधन क्या है ?
- (ग) क्या लंच बाक्स, टूल बाक्स तथा अन्य पैकेजों की मौके पर जाँच की जाती है, यदि हाँ तो, क्या व्यवस्था है ?
- (घ) क्या वहाँ कोई भंडारण क्षेत्र है, क्या वह अनावृत्त है या आच्छादित है अथवा आगंतुकों के लिए खुला है ?
- (ङ.) सभी प्रकार के भंडारण की भौतिक सुरक्षा का विवरण।
- (च) क्या भेजी जाने वाली किसी श्रेणी की सामग्री के लिए क्या सशस्त्र मार्गरक्षी दल मुहैया कराया जाता है ? यदि हाँ, तो विवरण दें।

4. अलार्म प्रणाली की विद्यमानता तथा उसकी पर्याप्तता या अपर्याप्तता निम्नलिखित के संदर्भ में क्या है?

- (क) उन तरीकों का वर्णन जिनसे अलार्म के बज उठने पर संतरी या गश्ती को शीघ्रता से सूचित किया जा सके तथा किसी स्थिति विशेष का संमुचित रूप से सामना किया जा सके।
- (ख) क्या परिसर के लिए सुरक्षा अलार्म प्रणाली का प्रबंध है ? यदि है तो विवरण दें।
- (ग) बाड़ परिसर में अनधिकार प्रवेश के संसूचन के लिए क्या कोई अलार्म प्रणाली है?
- (घ) सेंधमारी, आग या चोरी की रोकथाम के लिए विशिष्ट सुरक्षा की क्या व्यवस्था है? क्या वह पर्याप्त है?
- (ङ.) अलार्म के बज उठने पर क्या संचार, परिवहन तथा रिजर्व सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था है ताकि सुरक्षाकर्मियों द्वारा तथा स्थानीय पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उपलब्ध व्यवस्था का विवरण दें।

5. विशेष संदर्भ में कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था है तथा उनकी पर्याप्तता?

- (क) नियोजित तथा संलग्न कर्मचारियों के लिए बनाया गया पहचान पत्र क्या टेम्परप्रूफ है ? क्या उसमें धारक का फोटो लगा हुआ है ? क्या उनपर क्रमवार संख्या अंकित है ? (उपयोग हो रहे कार्ड का नमूना संलग्न करें।)
- (ख) आगंतुकों पर नियंत्रण की प्रणाली (निबंधन, प्रवेशपत्र, अनुरक्षक आदि)। क्या द्वार प्रहरी द्वारा आगंतुकों के 'आने' और 'जाने' का दैनिक अभिलेख संधारित किया जाता है ?
- (ग) निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश करने वाले निजी स्वामित्व वाले वाहनों के पंजीकरण की क्या व्यवस्था है तथा नियंत्रण की क्या पद्धति है ?
- (घ) पार्किंग स्थल, उनकी अवस्थिति, बाड़, प्रकाश व्यवस्था और चौकसी।
- (ङ.) क्या समूचे संयंत्र क्षेत्र में ठेकेदारों के वाहनों का मुक्त प्रवेश अनुमान्य है ? उनपर नियंत्रण हेतु क्या किया जाता है ?
- (च) सेल्समैन तथा वेंडरों आदि पर कैसे नियंत्रण रखा जाता है ?

6. निम्नलिखित के विशेष संदर्भ में भवन की सुरक्षा का क्या स्तर है :

- (क) आग अथवा अन्य संभावित प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम से संबंधित निर्माण को खतरा एवं सुरक्षा हेतु उपलब्ध संसाधन।
- (ख) कर्तव्य काल से इतर समय में जैसे रात्रि में और छुट्टी के दिन सुरक्षा की प्रकृति तथा पर्याप्तता।
- (ग) बंदी के समय आग, चोरी, आंधी से होनेवाली क्षति आदि की जाँच की प्रकृति तथा पर्याप्तता।
- (घ) खुले रहने तथा बंद रहने के दौरान भवन में मूल्यवान या महत्वपूर्ण मशीनरी या उपकरण या विस्फोटक जैसी सामग्री रखने के भंडारगृह की सुरक्षा की प्रकृति और पर्याप्तता।

7. निम्नलिखित के विशिष्ट संदर्भ में चोरी नियंत्रण के लिए व्यवस्था और उसकी पर्याप्तता :

- (क) उपक्रम में चोरी कम करने के लिए पर्यवेक्षण का कार्य क्या फोरमेन को सौंपा गया है ?
- (ख) चोरी अथवा संदिग्ध घटनाओं की सूचना देने में कर्मचारीगण कितने तत्पर और सहयोगी हैं ?
- (ग) क्या उपलब्ध सुरक्षाकर्मियों द्वारा रद्दी चुननेवालों की सम्यक् जाँच-पड़ताल की

जाती है ?

(घ) क्या कबाड़ एवं अन्य माल बिक्री या निस्तारण के दौरान उनकी शुद्धता और सटीकता का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है?

(ङ.) क्या चोरी की गतिविधियों की रोकथाम के लिए अनुरक्षण कर्मियों तथा सफाई कर्मियों का यथोचित पर्यवेक्षण किया जाता है ?

(च) क्या टूल चेकिंग प्रणाली अपनाई जाती है ? क्या औजारों की सूची नियमित रूप से तैयार की जाती है? परिसर छोड़ते वक्त क्या अनुरक्षणकर्मियों की जाँच सुरक्षाकर्मियों द्वारा की जाती है ?

(छ) चोरी और उठाईगिरी के फलस्वरूप होने वाली क्षति की मात्रा क्या है ? चालू वर्ष तथा विगत तीन वर्षों के वर्षवार आँकड़े उपलब्ध करावे। यदि संभव हो तो प्रमुख किस्म की सामग्रियों जैसे तांबे के तार, पीतल बियरिंग, औजार, वाहन आदि के गायब होने की क्रमिक अवधि और स्थान (संयंत्र, भंडार, यार्ड, पार्किंग आदि से) का निम्नानुसार अलग-अलग वर्गीकृत विवरण दें,—

(एक) गायब सामग्री की श्रेणी;

(दो) सामग्री गायब होने का स्थान;

(तीन) गायब सामग्री का अनुमानित मूल्य;

(चार) वारदातों की कुल संख्या जिनमें सामग्रियां गायब हुई हैं;

(पाँच) वारदातों की कुल संख्या जिनमें गायब सामग्रियों की बरामदगी हुई है;

(छः) अभ्युक्ति, जिसमें शामिल है कर्मचारियों की योगदायी अपेक्षा अथवा उनकी सक्रिय मिलीभगत से उपक्रम को होने वाली हानि की मात्रा।

8. निम्नलिखित से संबंधित विशेष संदर्भ में आग से सुरक्षा के उपाय पर्याप्त है या नहीं,—

(क) अति संवेदनशील क्षेत्र एवं संधारित अग्निशमन उपकरण तथा साजो सामान के प्रकार और उनकी मात्रा;

(ख) अग्निशमन कर्तव्यों के लिए उत्तरदायी कर्मचारियों के प्रशिक्षण और उनकी योग्यता का विवरण;

(ग) सामान्य अग्निशमन कर्तव्यों के लिए सुरक्षाकर्मी किस हद तक प्रशिक्षित हैं अथवा उन्हें किया जाना है।

9. विशेष संदर्भों में आपदा तथा संकटकालीन व्यवस्था की प्रकृति तथा उनकी मात्रा :

(क) सुरक्षाकर्मियों के लिए निर्दिष्ट कर्तव्य।

(ख) ऐसे कर्तव्यों के सम्यक निर्वहन के लिए सुरक्षाकर्मियों को दिये गये निर्देश।

भाग-पाँच

कर्मचारियों की विद्यमान व्यवस्था और उनकी आवश्यकताओं का निर्धारण

1. संतरी और निगरानी कार्य के लिए विद्यमान कर्मचारियों का संख्याबल तथा उनकी तैनाती की रूपरेखा।
2. पर्यवेक्षण और जाँच की क्या व्यवस्था है ?
3. क्या संतरी, निगरानी या अन्य सुरक्षा दायित्वों के लिए विशेष कर्मचारीगण या कोई पुलिस टुकड़ी (राज्य पुलिस/अन्य/आदि) है। यदि हाँ तो विवरण दें।
4. क्या उपर्युक्त से संबंधित वर्तमान व्यवस्था पर्याप्त है ?

भाग-छः

उपक्रम में उपलब्ध सुरक्षाकर्मियों को वेतन और भत्ते के अलावा मिलनेवाली सुविधाएँ

सुरक्षाकर्मियों को वेतन और भत्ते के अतिरिक्त मिलनेवाली अनुषंगी सुविधाएँ। इन सुविधाओं की स्वीकृति संबंधी नियमावली की एक प्रति भी संलग्न करें। इसमें निम्न मद होंगे,—

(क) गृहभाड़ा भत्ता/आवास की सुविधा;

(ख) नगर क्षतिपूरक भत्ता;

(ग) अवकाश;

(घ) जीपीएफ/सीपीएफ/उपदान/पेंशन;

(ङ.) बोनस;

(च) चिकित्सा देखभाल;

(छः) सेवानिवृत्ति की तिथि।

भाग—सात
भावी कार्यक्रम और विकास

1. क्या भविष्य में उपक्रम के विस्तार/कमी की कोई योजना है, जिसके चलते सुरक्षाकर्मियों की मांग में वृद्धि/कमी हो सकती है, यदि हाँ तो विवरण दें।
(क) जोड़े जाने/कमी किये जाने वाले कृत्य की प्रकृति।
(ख) अतिरिक्त/कमी किये जाने वाले कर्मचारियों/संसाधनों का विवरण।
(ग) संभावित तिथि जब से वृद्धि/कमी की आवश्यकता होगी।

भाग—आठ
आकलन

1. पारिवारिक या गैर पारिवारिक आवास, रसोईघर, भोजनकक्ष, कार्यालय, शस्त्रागार, मनोरंजन कक्ष आदि की उपलब्धता का विवरण
2. आवास की वास्तविक आवश्यकता क्या है ? (विवरण दें)
3. सी.जी.एस.आई.एस.एफ. हेतु आवास की तत्काल उपलब्धता क्या होगी ? (विवरण दें)
4. अतिरिक्त आवास मुहैया कराने के लिए क्या व्यवस्था की जायेगी ?

भाग—नौ
परिवहन

1. परिवहन की उपलब्धता क्या है, यदि कोई हो ?
2. आवश्यकताएँ क्या हैं ? औचित्य दर्शाने वाली संक्षिप्त टिप्पणी के साथ।
3. कितने परिवहनकर्मी अपेक्षित हैं ?

भाग—दस
आवश्यकताओं का निर्धारण तथा बल के परिनियोजन की संभावित कठिनाईयाँ

1. सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के परिनियोजन की संभावना के संबंध में विभिन्न श्रेणी के विद्यमान सुरक्षाकर्मियों की राय क्या है ?
2. 52 वर्ष से अधिक उम्र के विद्यमान सुरक्षाकर्मियों की श्रेणियाँ और उनसे संबंधित विवरण।
3. क्या सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के परिनियोजन की व्यवस्था एक से अधिक चरणों में होगी।

यदि हाँ तो निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत चरणों की रूपरेखा प्रस्तुत करें—

- (क) चरणों की क्रम संख्या
 - (ख) सी.जी.एस.आई.एस.एफ. द्वारा निर्वहन किये जानेवाले कर्तव्यों की रूपरेखा
 - (ग) प्रबंधन द्वारा वांछित परिवर्तन के प्रभावी होने की संभावित तारीख
 - (घ) अभ्युक्ति
4. यदि सी.जी.एस.आई.एस.एफ. के परिनियोजन की कार्रवाई एकल तौर पर की जायेगी तो प्रबंधन के अनुसार उत्तरदायित्व ग्रहण करने की संभावित तारीख

भाग—ग्यारह **प्रबंधन द्वारा प्रस्ताव की स्वीकार्यता**

सर्वेक्षण रिपोर्ट में उल्लिखित प्रस्ताव क्या प्रबंधन को स्वीकार्य है? यदि नहीं तो मतभेद के बिन्दुओं का विस्तृत विवरण दें।

नाम एवं हस्ताक्षर (संयुक्त सर्वेक्षण बोर्ड के अध्यक्ष/सदस्यों का)

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

Nava Raipur Atal Nagar, the 28th April 2026

NOTIFICATION

ESTB/9019/2025-HOME SECTION.— In exercise of the powers conferred by Section 24 of the Chhattisgarh State Industrial Security Force Act, 2025 (No. 15 of 2025), the State Government, hereby, makes the following rules in respect of the service conditions of persons appointed in the Chhattisgarh State Industrial Security Force and regulating their deputation to the concerned undertaking etc., namely:-

RULES CHAPTER-I PRELIMINARY

1. **Short title and commencement.-** (1) These rules may be called the Chhattisgarh State Industrial Security Force Rules, 2026.
(2) They shall come into Force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.-** (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-
 - (a) “Act” means the Chhattisgarh State Industrial Security Force Act, 2025 (No. 15 of 2025).
 - (b) “C.G.S.I.S.F.” means the Chhattisgarh State Industrial Security Force.(2) The words and expressions used in these rules but not defined shall have the same meanings as assigned to them in the Act.

CHAPTER-II CONSTITUTION OF FORCE

3. **Constitution of the Force.-** The Force shall consist of the following two branches, namely:-
 - (a) Executive Branch
 - (b) Ministerial Branch

4. Composition of the Force.- The supervisory and other officers of the Force shall be classified in following ranks, namely:-

(a) Supervisory Officers

- (i) Director General of Police, Chhattisgarh;
- (ii) Special Director General of Police, C.G.S.I.S.F.;
- (iii) Additional Director General of Police, C.G.S.I.S.F.;
- (iv) Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F.;
- (v) Deputy Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F.;
- (vi) Commandant, C.G.S.I.S.F.;
- (vii) Deputy Commandant, C.G.S.I.S.F.;
- (viii) Assistant Commandant, C.G.S.I.S.F.

(b) Executive Officer

- (i) Company Commander/Inspector;
- (ii) Platoon Commander/Sub-Inspector;
- (iii) Assistant Platoon Commander/Assistant Sub-Inspector;
- (iv) Head Constable;
- (v) Constable;
- (vi) "Constable Tradesman" (Skilled/Unskilled);

(c) Ministerial Officers

- (i) Inspector-M (Office Superintendent)
- (ii) Inspector-M (Senior Stenographer)
- (iii) Sub Inspector-M (Junior Stenographer)
- (iv) Sub Inspector-M
- (v) Assistant Sub Inspector-M

5. Duties of the Director General of Police.- The Director General of Police shall be the Head of the Force and shall be responsible for maintaining high efficiency, training, discipline and morale subject to the control of the Government. For that purpose he shall take all such steps as he may consider necessary.

- 6. Duties of the Special Director General of Police/Additional Director General of Police (C.G.S.I.S.F.).-** (1) Special Director General of Police/Additional Director General of Police (C.G.S.I.S.F.) shall be responsible for the training, administration, discipline, and maintenance of efficiency of all subordinate officers and members of the "C.G.S.I.S.F.". He shall supervise the duties performed by the persons under his command. He shall, from time to time, issue such orders as may be necessary for the regulation and administration of the Force under his charge.
- (2) He shall maintain liaison with the Managing Director of the "Place of Deployment" and shall, from time to time address the problems and requirements of each unit in relation to the Force.
- (3) He shall keep the Director General of Police informed of all matters relating to the security of the "Place of Deployment" and other important matters, and he shall maintain close liaison with the local police authorities and other authorities of the State to ensure effective security.
- (4) He shall maintain liaison with the Supervising Officer of the members of the Force deployed at the "Places of Deployment", review the crime situation and provide appropriate guidance and direction for adopting appropriate crime control measures and ensuring effective security arrangements.
- (5) He may divide the C.G.S.I.S.F. into teams, each team into battalions, each battalion into companies, each company into platoons and each platoon into sections after the approval of the Director General of Police.
- (6) He may, with the approval of the Director General of Police, deploy any team, battalion, company, platoon or section at such places as he may deem appropriate.
- (7) He shall carry out the inspections of C.G.S.I.S.F. battalions or units.
- 7. Duties of the Inspector General of Police (C.G.S.I.S.F.).-** (1) The Inspector General of Police (C.G.S.I.S.F.) shall assist the Special Director General of Police/Additional Director General of Police (C.G.S.I.S.F.) in the performance of his duties and shall be responsible for the training, administration, discipline, efficiency, morale, health and welfare of the "Members of Force" under his command.

- (2) He shall maintain liaison with the "Managing Director" of the "Place of Deployment" and he shall from time to time address the problems and needs of each units in relation to the Force.
 - (3) He shall keep the "Special Director General of Police/Additional Director General of Police (C.G.S.I.S.F.)" informed of all matters relating to the security of the "Place of Deployment" and other important matters and he shall maintain close liaison with local police authorities and other authorities of the state so as to ensure effective security.
 - (4) He shall maintain liaison with the "Supervising Officer" of the "Members of the Force" deployed at the "Place of Deployment", review the crime situation and provide appropriate guidance and direction for adopting appropriate crime control measures and ensuring effective security arrangements.
 - (5) He may order the deployment or transfer of "Members of the Force" deployed at the "Place of Deployment" with the approval of the Special Director General of Police/Additional Director General of Police (C.G.S.I.S.F.).
 - (6) He shall carry out the inspections of C.G.S.I.S.F. battalions or units.
 - (7) He shall ensure timely recovery of dues from the "Managing Director" of the "Place of Deployment" relating to the deployed C.G.S.I.S.F. units.
 - (8) He shall discharge the duties of the Special Director General of Police/Additional Director General of Police (C.G.S.I.S.F.) in his absence.
- 8. Duties of the Deputy Inspector General of Police (C.G.S.I.S.F.).-**When a Deputy Inspector General of Police is appointed as a Zonal Officer, he shall perform all the duties specified in Section 7 of the Act and shall assist the Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police (C.G.S.I.S.F.) at Headquarters. He shall also discharge such duties as may be assigned to him from time to time by the Superior Officer.
- 9. Duties of the Commandant.-** (1) Commandant shall assist the Deputy Inspector General of Police (C.G.S.I.S.F.) in the performance of his duties and shall be responsible for the training, administration, discipline, morale, health, and welfare of all members of the Force under his command.

- (2) As the executive head of the battalion, he shall, subject to the control of the Deputy Inspector General of Police (C.G.S.I.S.F.), issue standing orders and instructions on all matters within his authority, including the duties to be performed by his subordinates.
- (3) He shall be responsible for the training of all officers under his command and for the security of all arms, ammunition, and property of the battalion under his charge.
- (4) He shall also be responsible for the proper functioning and maintenance of proper accounts of all welfare activities, such as welfare centers, canteens, grain stores, etc., and shall exercise proper control over expenditures from the battalion fund, mess improvement fund, and other such funds. He shall also be responsible for determining their misuse.
- (5) He shall inspect the Force deployed at the "Place of Deployment."
- (6) He shall attend parades held at the battalion headquarters, inspect the lines, and regularly perform the duties of the orderly officer's room.
- (7) The Commandant shall be responsible for the security of the "Place of Deployment", where the Forces of his battalion are deployed. He shall maintain contact with the district and police authorities, as well as with the heads of other departments for this purpose.
- (8) He shall keep the Inspector General of Police/Deputy Inspector General of Police (C.G.S.I.S.F.) as well as the Managing Director of the Undertaking informed of all security-related developments and shall send them reports fortnightly. He shall bring all urgent matters to the attention of the Superior Officers as quickly as possible.
- (9) He shall give proper attention to ensure the functioning of the Intelligence Branch.

10. Duties of the Deputy Commandant.- (1) Deputy Commandant shall assist the Commandant in the performance of his duties and in the absence of Commandant, shall discharge all the duties and exercise the powers of the Commandant.

- (2) He shall be responsible for maintaining a high standard of discipline, training, health, and welfare of all persons under the command of Commandant. He shall be responsible for maintaining proper accounts of all cash, arms, ammunition, and other property of the Battalion. It shall be the duty of Deputy Commandant to implement the welfare activities of Battalion. He shall attend parades and shall be responsible for making all arrangements and for organizing, general and ceremonial parades. He shall be responsible for the security of "Place of Deployment" under his charge and shall inspect the deployed Force. He shall from time to time perform such duties as may be assigned to him by his superior officers.
- 11. Duties of the Assistant Commandant.-** (1) The Assistant Commandant shall assist the Commandant in the performance of his duties and perform all duties assigned by the Commandant. He shall be responsible for maintaining a high standard of discipline, administration, performance of duty, training, efficiency, morale, and welfare of his subordinates, subject to the control of the Commandant. It shall be the duty of the Assistant Commandant to implement welfare activities of the battalion.
- (2) He shall be responsible for the security of "Place of Deployment" under his charge and shall inspect the deployed Force. He shall from time to time perform such duties as may be assigned to him by his superior officers.
- 12. Company Commander/ Inspector.-** (1) Company Commander/ Inspector shall assist the Assistant Commandant, where the Assistant Commandant is in-charge of the Force deployed at the "Place of Deployment."
- (2) He shall perform such duties as may be entrusted to him time to time by the superior officers and, in the absence of the Assistant Commandant, shall be in-charge of the Force deployed at the "Place of Deployment."
- 13. Platoon Commander /Sub-Inspector/ Assistant Platoon Commander/ Assistant Sub-Inspector/ Head Constable/ Constable/ Constable Tradesman (Skilled/Unskilled).-** Executive Officers other than Company Commander/ Inspector shall perform duties as per the direction of Superior Officers and the duties enumerated under Section 7 of the Act.

CHAPTER-III

POWERS AND CONTITUTION OF SERVICE

- 14. Arrest and Search.-** While making an arrest under Section 9 of the Act or a search under Section 10 of the Act, the "Member of the Force" shall follow the procedure prescribed in the Bhartiya Nagrik Suraksha Sanhita, 2023 (No. 46 of 2023). Section 11 of the Act shall be followed after arrest.
- 15. Powers of Appointment.-** (1) The Director General of Police shall be the Competent Authority to appoint members of the Chhattisgarh Armed Forces and Chhattisgarh Police Force appointed under the Special Armed Forces Act, 1968 (No. 29 of 1968) and the Chhattisgarh Police Act, 2007 (No. 13 of 2007) respectively, to the Chhattisgarh State Industrial Security Force on deputation basis.
- (2) The Director General of Police may appoint equivalent members of the Chhattisgarh Armed Forces and Chhattisgarh Police Force cadre to the posts of executive and ministerial officers in the C.G.S.I.S.F. on deputation basis.
- 16. Period and Conditions of Deputation.-** (1) The officers and employees of the Chhattisgarh Police Force and Chhattisgarh Armed Forces may be deputed to the C.G.S.I.S.F. for a period of five years and the tenure may be extended for one year:
- Provided that, the period of deputation shall not exceed six years.
- (2) Qualification- (i) The officer or employee must have at least seven years of service prior to deputation, and-
- (ii) must not exceed the maximum age limit of 40 years for the Constable cadre,
- (iii) must not exceed the maximum age limit of 45 years for the Head Constable cadre,
- (iv) must not exceed the maximum age limit of 50 years for the Assistant Platoon Commander/Assistant Sub-Inspector cadre,
- (v) must not exceed the maximum age limit of 52 years for the Platoon Commander/Company Commander/Sub-Inspector/Inspector), and
- (vi) must meet the prescribed criteria of the C.G.S.I.S.F..
- (3) Every "Member of the Force" on deputation shall be subject to the disciplinary rules applicable to the equivalent post in the parent cadre Force.

- (4) All "Member of the Force" deployed in the C.G.S.I.S.F. shall be required to undergo the prescribed training/course on industrial safety, the duration and place of training/course shall be determined by the Director General of Police from time to time.
 - (5) An additional deputation allowance of 12% of the basic pay shall be payable to the "Member of the Force".
 - (6) Apart from the above, other terms and conditions of deputation shall be such as may be notified by the State Government, from time to time.
 - (7) Notwithstanding anything contained in these rules, the State Government or the Director General of Police or the Special Director General of Police/Additional Director General of Police (C.G.S.I.S.F.), as the case may be, may terminate the deputation of any officer at any time without assigning any reason and such termination shall not be deemed to be a punishment.
- 17. Affidavit in Relation to Deputation.-** Each "member of the Force" shall execute at the time of his/her initial deputation an affidavit as specified in Appendix 'A'. If a member of the Force returns to his/her parent unit on any ground within the period of three years, he/she shall be disqualified for future deputation.
- 18. Promotion.-** The promotion of a "member of the Force" shall be as per the rules prevailing for the equivalent post in the parent cadre (Chhattisgarh Armed Forces/Chhattisgarh Police Force).
- 19. Regulation.-** The Director General of Police shall prepare the Training Manual, Establishment Manual, and other regulation for the administration of the Force.
- 20. Oath of Allegiance and Certificate of Appointment.-** Each member of the Force at the time of deputation shall take the oath of allegiance as specified in Appendix 'B' and under sub-section (1) of Section 5 of the Act and shall receive a certificate of appointment as specified in Appendix 'C'.
- 21. General Conditions of Service Rules.- (1) Assistant Commandant and Officers Superior to him-** Assistant Commandants and officers superior to him shall be governed by the provisions contained in the Chhattisgarh Civil Services (General Conditions of Service) Rules, 1961 and the orders/instructions/circulars issued from time to time by the Government.

- (2) **From the rank of Company Commander/Inspector to Constable Tradesman (Skilled/Unskilled)-** A "member of the Force" from the rank of Company Commander/Inspector to Constable Tradesman (Skilled/Unskilled) shall be governed by the provisions contained in the Chhattisgarh Police Manual and Regulations and the Orders/Instructions/Circulars issued from time to time by the Government, which are applicable to equivalent posts in the Chhattisgarh Armed Forces and the Chhattisgarh Police Force.
- 22. Disciplinary Authorities and the Extent of Their Powers.-** Disciplinary action shall be conducted in accordance with the provisions contained in the Chhattisgarh Civil Services (Classification, Control, and Appeal) Rules, 1966, the Chhattisgarh Civil Services (Conduct) Rules, 1965, the Chhattisgarh Police Manual and Regulations, and orders/directives/circulars issued from time to time by the Government.
- 23. Saving.-** (1) In case of contradiction between rules made hereunder and the Chhattisgarh Police Manual and Regulations, these rules shall prevail.
- (2) A member of the Force, during his suspension period, shall remain the member of the Force and shall, during that period, be subject to the same responsibilities, discipline, and penalties as he would be subject to if he was on duty.
- 24. Appeal.-** An appeal against the order of punishment may be made in accordance with the provisions contained in the Chhattisgarh Civil Services (Classification, Control, and Appeal) Rules, 1966, the Chhattisgarh Police Manual and Regulations, as applicable to different ranks.
- 25. Surrender of Certificate of Appointment and Arms, Equipment, Clothing, and Other articles.-** (1) Every "Member of the Force" who, for any reason, ceases to be a "Member of the Force" shall surrender his certificate of appointment, Arms, equipment, clothing, and other articles issued to him to discharge his duty under sub-section (1) of Section 20 of the Act.
- (2) Where any person willingly or unwillingly refuses to surrender the above items, action shall be taken under sub-section (2) of Section 20 of the Act.

26. Offices, Accommodation, and Other Facilities for Members of the Force.-

(1) The concerned Undertaking shall provide accommodation for Officers adjacent to the Undertaking along with parade grounds, playgrounds, quarter guards, and such other offices rent free to the "Members of the Force" posted in the undertaking. The accommodation norms and minimum plinth area of accommodation of construction should be prepared by the Administrative Head.

(2) Where residential facilities are not available for the members of the Force or they do not avail residential facilities, they shall be provided house rent allowance and transport allowance as per the provisions of the State Government.

27. Medical Facilities.- (1) Members of the Force shall be entitled to the facilities of the State Government under prevailing rules.

(2) When deployed to any undertaking:-

(i) In case where such undertaking provides medical facilities to its employees, the "Member of the Force" deployed to that undertaking shall be entitled to avail similar facilities.

(ii) If such facilities are not available, the members of the Force shall be provided with medical facilities as per the rules of State Government.

28. Leave.- The "Members of the Force" shall be governed by the leave rules, as are applicable to members of equivalent rank in the Chhattisgarh Armed Forces and Chhattisgarh Police Force.**29. Leave Travel Concession.-** The members of the Force shall get the Leave Travel Concession (LTC) as per the Chhattisgarh Government Rules.**30. Eligibility for Monetary Awards.-** Monetary rewards may be granted to the members of the Force, only up to the rank of Company Commander/Inspector, for performing exceptionally courageous and exceptional acts (acts displaying special skill, valor, intellect, or initiative) while on duty.**31. Monetary Awards or Certificates.-** The authorized supervisory officers are empowered to grant rewards as applicable to the police personnel of equivalent ranks of the Chhattisgarh Armed Forces and the Chhattisgarh Police Force.

- 32. Monetary Awards and Certificates offered by the Managing Director of the "Place of Deployment".-** The Managing Director of the "Place of Deployment" may, with the permission of the Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F., give monetary awards and certificates to a deployed "Member of Force" for exceptional courage and exceptional performance.
- 33. Award of Medals.-** (1) The Director General of Police's (DGP's) disc and other medals shall be awarded to the "Members of the Force" in accordance with the provisions applicable to members of the Chhattisgarh Armed Forces and the Chhattisgarh Police Force.
- (2) The Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F. may institute any other annual award for the members of Force, which shall be given as an incentive and motivation.
- 34. Transfer of Members of the Force.-** (1) Transfers of Officers, from the rank of Deputy Commandant to Company Commander/Inspector, to various "Place of Deployment" may be made by the Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F..
- (2) Transfers of officers, up to the rank of Platoon Commander/Sub-Inspector, to various "Place of Deployment" under the administrative control of one Commandant, C.G.S.I.S.F., may be made by the Commandant, C.G.S.I.S.F..
- 35. Return of a Member of Force to his Parent Unit on Grounds of Medical Unfitness.-** (1) If a member of Force is unable to perform his duties by reason of medical unfitness, the Commandant may direct that the said member be brought before the District Medical Board, Raipur.
- (2) Where the said member is found by the District Medical Board, Raipur, to be unfit for rendering further service in the Force, the Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F. may upon concurrence with the findings of the Medical board, shall direct the said member to return to their parent unit for further action.

- 36. Permission to carry cash and other articles into the premises of Undertaking.-** (1) The “Member of the Force” up to the rank of Company Commander/Inspector may carry with them a maximum of ₹2,500/- in cash for meeting contingencies during duty, or as determined by the Director General of Police from time to time. They shall also be permitted to carry with them official equipment issued for use while on duty.
- (2) While entering to the undertaking, every “Member of the Force” shall make an entry in the duty register specifying the amount of cash carried by him, if any. Upon return from duty, he shall also record the actual amount carried and, in case of any discrepancy or excess, furnish an explanation therefore. Where such explanation is not furnished or is found to be unsatisfactory, departmental action shall be initiated against him in accordance with the prescribed rules.

CHAPTER-IV EXPENSES

- 37. Payment of Charges of Force.-** (1) According to the provisions of these rules, the entire cost of the Force's management, training, establishment, uniforms, equipment, arms and ammunition, vehicles, and fuel (petrol, oil, lubricants), and others, shall be borne by the management of the “Place of Deployment” where the C.G.S.I.S.F. shall be deployed.
- (2) The expenditure on C.G.S.I.S.F. shall initially be met out of the Budget grant of the Government of Chhattisgarh and reimbursement of such expenditure shall be collected from the management of the respective “Place of Deployment”.
- (3) Upon submission of the bill for the entire expenditure of the Force deployed at the “Place of Deployment”, the concerned management will reimburse the bill within a maximum period of 30 days.
- (4) The amount received from industrial establishments shall be reconciled annually by the Finance Controller, Police Headquarters, Chhattisgarh.
- (5) The recurring and non-recurring expenditures to be borne by the undertaking are classified as under:
- (a) **Recurring Expenditure**
- (i) Pay and Allowances,
 - (ii) Annual replacement of uniforms and equipment,
 - (iii) Travelling Allowances,
 - (iv) Contingency Expenditure,

- (v) Pension Contribution,
 - (vi) Leave Salary Contribution,
 - (vii) Administrative or Supervision Charges,
 - (viii) Group Insurance Charges,
 - (ix) Expenditure on Maintenance of Weapons and Ammunition for Annual Practice,
 - (x) Expenditure on Vehicles and Fuel (Petrol, Oil, Lubricants),
 - (xi) Office Expenses and Other Expenses.
 - (b) **Non-Recurring Expenditure**
 - (i) Training Charges,
 - (ii) Initial issue of Uniforms and Equipment,
 - (iii) Initial issue of Ammunition as per Rank and Scale,
 - (iv) Office Establishment Expenses.
 - (6) For calculation of the cost of recovery and reimbursement, the Administrative Head or Commandant shall prepare a category-wise calculation sheet and submit it to the concerned management to inform the average cost of deployment. The above recurring and non-recurring expenditure may be subject to change as per the orders of the State Government from time to time.
- 38. Procedure for Reimbursement.-** In order to get reimbursement of the expenditure for the Force deployed, the following bills shall be raised against the concerned undertaking/management:-
- (a) **Pay and Allowances-** Bills on account of pay and allowances of the C.G.S.I.S.F. personnel deployed at the "Place of Deployment" shall be prepared on the basis of actual expenditure as recorded in the pay and allowances roll of C.G.S.I.S.F. units. The bill shall indicate *inter alia* the number of persons of each category for whom the pay and allowances are to be drawn in the establishment bill during the month.
 - (b) **Training Charges-** After deputation, the C.G.S.I.S.F. personnel shall be imparted prescribed courses of training at various Chhattisgarh Police Training Centers before being deployed to the undertakings. The expenditure related to training shall be recoverable from the respective management as training charges.

- (c) **Initial Cost of Uniform and Annual Replacement Charges-** Each member of the C.G.S.I.S.F. shall be provided with uniforms and other essential items at the time of deputation or training, and these uniforms and items shall be replaced on periodical intervals in accordance with the replacement rules as applicable to State Government employees. The rates of recovery shall be calculated on the basis of average cost and subject to revision due to market fluctuations. The initial cost of uniforms for the Force deployed in fixed strength shall be reimbursed by the concerned Undertaking at the prescribed rate and it shall be reimbursed only once accordingly a bill for reimbursement shall be submitted to the Undertaking each Financial Year:

Provided that the actual replacement charge shall be recovered based on the average deployment of the Force in the Undertaking throughout the year.

- (d) **Cost of Materials, Equipments, Arms and Ammunition-** The equipments and materials shall be supplied by the State Government. Bills for these items shall be submitted to the Undertaking annually or as and when they are supplied. Arms and ammunition shall also be supplied by the State Government, provided that the annual maintenance cost (A.M.C.) in this regard shall be borne by the Undertaking, and A.M.C. shall be fixed by the Administrative Head from time to time.
- (e) **Cost of Vehicles-** The vehicles and POL (petrol, oil, lubricants) shall be supplied to the C.G.S.I.S.F. by the Undertaking directly as per scale and use. However, where it is necessary for Police Headquarters to provide vehicles to a particular unit of the C.G.S.I.S.F., the bills for the vehicles and POL shall be submitted to the Undertaking concerned as and when the vehicles are provided. The rate charged shall be actual and shall include incidental expenses such as registration fees.

- (f) **Leave Salary and Pension Contribution-** Leave salary and pension contribution of "Members of the Force" shall be collected from the concerned undertaking as reimbursement based on actual deployment, as per the terms and conditions applicable to equivalent posts in the Chhattisgarh Armed Forces and Chhattisgarh Police Force.
- (g) **Administrative or Supervision Charges-** (i) Expenditure incurred on the office of the Special Director General of Police/Additional Director General of Police, Inspector General of Police, Deputy Inspector General of Police, Commandant, C.G.S.I.S.F. (including salaries of officers/employees), expenses incurred on the running and maintenance of ordnance workshops and training establishments shall be included in the administrative or supervisory charges. The rate of administrative or supervisory charges shall be 10 percent of the total expenses per month of the Force deployed at the concerned "Place of Deployment". Upon submission of the bill relating to administrative or supervisory charges to the management, the bill shall be reimbursed by the concerned management within a maximum period of 30 days.
- (ii) The Undertaking shall pay taxes as applicable from time to time.
- (h) **Proportionate cost of C.G.S.I.S.F. unit office-** The deployment of the Force at the "Place of Deployment" shall be as per requirement. The Commandant/ Deputy Commandant/Assistant Commandant are expected to supervise the activities of the Force deployed at the "Place of Deployment". The expenditure of their headquarters shall be reimbursed proportionately by the Undertaking receiving the services. The bill in this regard shall also be submitted to the Undertaking along with other bills.
- (i) **The following types of bills shall be submitted for reimbursement of the costs incurred on C.G.S.I.S.F. -**

- (1) Salary Bills,
- (2) Leave Salary Contribution Bills,
- (3) Pension Contribution Bills,
- (4) Material and Equipment Bills,
- (5) Arms and Ammunition Bills,
- (6) Bills for cost of vehicles and fuels, if any, in case not provided by the undertaking,
- (7) Training Charges and Administrative or Supervisory Charges.

- (j) The bills listed in serial numbers (1) to (3) shall be prepared by the Commandant and sent to C.G.S.I.S.F. Headquarters, where they shall be scrutinized by the Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F.. After scrutiny, one copy shall be sent to the Additional Director General of Police/Inspector General of Police (Planning/Management), Police Headquarters, and one copy to the concerned undertaking. Other bills shall be prepared at C.G.S.I.S.F. Headquarters and sent to the Undertakings. The Undertakings shall make the payment to the Police Headquarters.

39. Recovery of Advance Payments.- The State Government shall pay the salaries and allowances of C.G.S.I.S.F. personnel in advance from its own budget. The concerned Undertaking shall be required to pay the same in advance as per the following terms and conditions:-

- (i) An amount equivalent to two months' bill for C.G.S.I.S.F. deployment (as per rule 39, if the vehicle is provided by the Police Headquarters, it shall also be included in the bill) shall have to be deposited as security.
- (ii) It shall be obligatory on the part of the Undertaking to deposit the reimbursement amount in time after receiving the claims from C.G.S.I.S.F. Headquarters. For this purpose, C.G.S.I.S.F. Headquarters shall submit its claims in the first week of the succeeding month so as to enable the Undertaking to reimburse the said amount within 30 days. In case of default, a penal interest at the rate of 3% per month shall be charged on the Undertaking.
- (iii) The C.G.S.I.S.F. shall be withdrawn in case of default in payment for two months consecutive.

- (iv) The above terms and conditions from (i) to (iii) shall be applicable in case of new deployment and where increase in the strength of C.G.S.I.S.F. is proposed.

40. Other Conditions of Service.- The members of the Force shall, in respect of all matters regarding conditions of service for which no provision or insufficient provision have been made in these rules, be governed by the rules and orders for the time being applicable to employees holding equivalent posts in the State Government in respect of such matters.

CHAPTER-V

CONSULTANCY AND DEPLOYMENT

41. Technical Consultancy and Training Services to Undertakings.- (1) The C.G.S.I.S.F. may provide technical consultancy and training services to industrial establishments in the public, joint, or private sectors, autonomous bodies, or any other institution approved by the Government, on payment of prescribed fee, which may include:-

- (i) Study of industrial security and fire safety related problems and suggesting appropriate solutions,
- (ii) Imparting of knowledge and skills in the field of industrial security and fire safety by means of training programs to the applicant or his employees. These trainings may be conducted at Chhattisgarh Industrial Security Force training institutes or at the industrial establishment or at any other location deemed suitable by the Director General of Police or Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F.,
- (iii) Conducting training and certification courses in the field of industrial security and fire safety and charge prescribed fees for the same:

Provided that the fees for various such courses shall be determined by the Director General of Police or Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F..

- (iv) Planning, designing, and implementing industrial security and fire safety plans, measures, controls, and systems for the applicant,
 - (v) Providing feedback after monitoring the functioning of the suggested measures, controls, and systems,
 - (vi) Planning and designing of communication networks and preparation of related operating instructions,
 - (vii) Drafting industrial security and fire safety related instructions, standing orders, and operating procedures,
 - (viii) Preparing disaster management and contingency plans and supervising and conducting rehearsals of such plans,
 - (ix) Conducting audits (inspections) in the field of industrial safety, industrial security or fire safety,
 - (x) Undertaking research and development activities independently or in collaboration with the applicants and reputed agencies in the field of industrial safety, industrial security, fire safety and related matters.
- (2) On receipt of request from the Managing Director of any undertaking or any other person authorized by him in this behalf, subject to the general directions issued by the State Government, the Director General of Police, Chhattisgarh if it deems appropriate, after examination of the request, may forward terms and conditions for providing technical consultancy services to the Managing Director or any person authorized by him and may ask to remit the prescribed fee for the technical consultancy services.
- (3) On remittance of the prescribed fees from the Managing Director of the undertaking, the Director General of Police may nominate any officer of the Force or constitute a team of officers for conducting technical study of the concerned undertaking relating to any matter enumerated.
- (4) The consultancy fees shall be charged from the undertakings as prescribed from time to time.
- 42. Restriction to form any Association.-** The members of the Force must comply with Section 18 of the Act and the Chhattisgarh Civil Services (Conduct) Rules, 1965.

- 43. Procedures for Deployment at the Place of Deployment.-** (1) If a "Place of Deployment" wishes to deploy the C.G.S.I.S.F. for its security, it must submit a request for this purpose to the Director General of Police.
- (2) Upon receipt of the request, the Director General of Police shall constitute a Joint Survey Board under the chairmanship of the Special Director General of Police/Additional Director General of Police, C.G.S.I.S.F., consisting of the Inspector General of Police, Deputy Inspector General of Police, Commandant, and a senior representative of the concerned undertaking as members. The Joint Survey Board shall also include a technical member nominated by the Director General of Police.
- (3) The Director General of Police shall direct the Joint Survey Board to conduct a survey to assess the utilization of the members of Force of C.G.S.I.S.F. along with other assessment.
- (4) The request shall be considered only after the prescribed fee of ₹ One Lakh (₹ 1,00,000/-) for conducting the survey is deposited. The said prescribed fee may be revised by the Director General of Police from time to time.
- (5) The Joint Survey Board shall follow the parameters for assessing the requirement of "members of the Force" so as to analyse the security and threat situation of the undertaking.
- 44. Joint Survey.-** (1) The Joint Survey Board, comprising of the Supervising Officer of the C.G.S.I.S.F. and a senior representative of the undertaking, should keep the following aspects in view while determining the requirement of Members of Force, namely:-
- (i) The location of the undertaking,
 - (ii) Vulnerability and sensitivity to security hazards,
 - (iii) Capital investment in the project,
 - (iv) Prevailing law and order situation, including crime trends in the area,
 - (v) Labor situation,
 - (vi) Importance of the undertaking,
 - (vii) Economic condition,

- (viii) Effectiveness of physical security arrangements, such as perimeter walls, overhang barbed wire/concertina wire fences, entry and exit gates, watch towers, lighting arrangements, clear zone for perimeter patrolling, etc.
 - (ix) Use of sophisticated electronic gadget applications, such as CCTV,
 - (x) Utilization of the dog squads,
 - (xi) Fire fighting arrangements,
 - (xii) Any other factors deemed necessary.
- (2) Industrial security means not only physical protection against theft and pilferage, but also against other hazards. This includes protection against sabotage, espionage, cyberattacks, extremist, terrorist, and any other potential mishaps. Civil defence planning and training may also be required in some cases. Management who have entrusted or propose to entrust the security of the undertaking to the C.G.S.I.S.F. should be assisted by the C.G.S.I.S.F. in making full appreciation of security hazards and implementing the security measures which are accepted as appropriate and necessary for the particular undertakings.
- (3) **The following procedure shall be adopted to meet the requirement under sub-rule (2), namely:-**
- (i) A detailed survey to be conducted regarding the security requirements for the deployment of the C.G.S.I.S.F.;
 - (ii) A careful balance must be kept between what is desirable from point of view of protection and what is justifiable and acceptable from the point of view of the financial implications while determining security measures ?;
 - (iii) The burden of risk must always be compared with the burden of cost that would be required to achieve protection from the risk;
 - (iv) Mere vulnerability cannot be considered a justification for security measures;
 - (v) The extent of vulnerability should be checked with the quantum of the consequences in terms of factors such as loss of time and cost of repairs or replacements;
 - (vi) While 'vulnerability' is to be assessed by C.G.S.I.S.F. officers in consultation with the Management, 'criticality' is to be determined solely by the Management,

- (vii) Where any point or area or installation which is considered 'vulnerability' is to be left out without adequate security cover due to the reason that it is not 'critical' on consideration of economy, a specific record of that fact should be made in the survey report.
- (4) (i) The joint survey report should contain detailed justification for the requirement of members of Force for each duty point separately;
- (ii) The detail of various common duty points like control room, reserve Force, administrative duties, ministerial officers, supervisory staff, transport and reserves shall be prepare as specified in **Appendix "D"**;
- (iii) The Superintendent of Police, Telecommunications, shall be requested to depute one technical officer to examine and recommend the installation of electronic gadgets particularly in sensitive undertakings;
- (iv) This team shall also take into account future developments of the undertakings and recommend "Member of the Force" accordingly;
- (v) Any deviation from the norms laid down should be accompanied by detailed justification invariably;
- (vi) While assessing the requirements and utilization of C.G.S.I.S.F. "Member of the Force", requirement of accomodation (offices, barracks, staff quarters, quarter guards, armoury, space for parade ground etc.) and other amenities viz. medical, schools, canteens, stationary, telephones, etc. shall be taken into account,
- (vii) The arrangements for transportation and equipment, etc., shall be furnished by the surveying officer to the management in details along with a note recorded in the joint survey report,
- (viii) Scale of office furniture, barrack furniture, tradesman tools, and cooking utensils etc., are to be fixed by the administrative head,
- (ix) The survey report shall also include the following, namely:-
 - (a) Brief history of the undertaking,
 - (b) A joint survey report containing the names of each duty point, details of functions being performed at each duty point, details of the duties to be performed by the C.G.S.I.S.F. at each duty point and the required number of "members of Force" at each duty point,

- (c) Blueprints of the undertaking duly marked with all the duty points which are manned by the C.G.S.I.S.F.,
 - (d) Duty point-wise deployment chart,
 - (e) Duty point-wise analysis chart or comparative table showing the number of "Member of the Force" required as per the standards, the number of existing "Member of the Force", and the number of "Member of the Force" assessed by the survey team shall also be prepared,
 - (f) **Appendix "E"** shall be duly signed and filled by the members of the Joint Survey Board,
 - (g) All the documents mentioned above shall be signed by the Surveying Officer as well as the representative of Management.
- (5) After completion of the survey, the Joint Survey Board shall submit the survey report to the Director General of Police and a copy shall be made available to the management of the concerned undertaking.
- (6) The survey report shall be examined at Chhattisgarh Police Headquarters, Raipur, taking into account the recommendations of the survey team and the parameters set by the Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F..
- (7) A detailed letter shall be sent from Police Headquarters, Chhattisgarh to the concerned undertaking, with a copy to the Inspector General of Police, Deputy Inspector General of Police, and Commandant, C.G.S.I.S.F.. This will specify the following points, namely:-
- (i) Rank-wise break up of number of "Member of the Force",
 - (ii) Duty point wise deployment chart (to be attached),
 - (iii) Financial implications, recurring and non-recurring expenses involved in the deployment of the Force,
 - (iv) Requirements of transport,
 - (v) Requirement of accommodation, quarter guards, armoury, offices, parade grounds, etc.
 - (vi) Upon receiving the consent of the Management, deployment shall be done only on availability of trained "Members of the Force" for the required number of posts and completion of pre-entry formalities.

- 45. Minimum Strength of Deployment in an Undertaking.-** From a security point of view, number of “members of Force” below certain number should not be deployed in an undertaking. The number of Force deployed in any undertaking shall not be less than 59 (including executive and ministerial officers), the composition of which shall be decided by the Director General of Police.
- 46. Formal Requisition.-** (1) The concerned undertaking upon in-principle approval of the survey report submitted by the Joint Survey Board, shall tender a formal requisition to the Director General of Police.
- (2) Upon receipt of the formal requisition from the undertaking, a proposal shall be submitted by the Police Headquarters, Chhattisgarh to the Government for the utilization of the C.G.S.I.S.F.. The Force shall be deployed only after approval by the Government and as per the survey report. The concerned undertaking and the Inspector General of Police of the C.G.S.I.S.F. shall also be informed of the approval received from the Government so that the management may take action to complete the pre-induction formalities.
- 47. Pre-Induction Formalities.-** The concerned undertaking and Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F. shall speed up completion of pre-induction formalities, which mainly include the construction of Gate, Office, Control Room, Security Office, Accommodation, Parade Ground, Playground, Recreation Room, and other related facilities, as per scale decided by the Administrative Head. Transportation and other essential items such as utensils, furniture (for all offices and spaces), quarter guard items, tools for tradesman etc. shall be arranged based on the assessment of the survey report.
- 48. Advance Parties.-** (1) As soon as the pre-induction formalities reach at the completion stage, upon the request of the management of undertaking, the Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F., shall deploy an advance party from the sanctioned strength to the undertaking to render assistance to the management in completion of pre-induction formalities.

- (2) The advance party shall submit report fortnightly upon completion of pre-induction formalities to C.G.S.I.S.F. Headquarters. Upon completion of these formalities, the Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F., in consultation with the Management of undertaking, shall decide the date of induction and intimate the date and place of concentration of Force before actual induction of the Force.
- 49. Induction of Force.-** (1) Orders for carrying out smooth induction of the Force in an undertaking shall be issued by Police Headquarters, Chhattisgarh specifying the date of induction, and place and date of concentration of Force, before actual date of induction.. Copies of these orders shall be sent to the Management and the Inspector General of Police, Deputy Inspector General of Police, and Commandant, C.G.S.I.S.F..
- (2) The Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F. shall assign the responsibility for carrying out the induction to the Commandant or Deputy Commandant. The Officer shall carry out induction and submit a detailed report on induction listing out problems faced, deficiencies in pre-induction formalities (if any), sanctioned strength and rank-wise posted strength.
- 50. Post Induction.-** A report about induction shall be sent by C.G.S.I.S.F. Headquarters to Police Headquarters, Chhattisgarh and the Chhattisgarh Home (Police) Department.
- 51. Re-survey.-** (1) Re-Survey shall be invariably conducted in respect of those units which were raised few years ago, requiring a change or modification to their existing strength due to various factors. Some of the factors are enumerated below, namely:-
- (I) Deficiency in Force strength in the undertaking-
 - (a) Under assessment of Force strength at the time of assessment.
 - (b) (i) Construction of pedestrian, vehicular, or railway gates.
 - (ii) Erection of watch towers.
 - (iii) Eventualities which could not be anticipated earlier.
 - (II) Reduction in Force strength due to other events, namely:-

- (a) Cordoning of the jurisdictional limits of the undertaking by perimeter walls of standard height specifications.
 - (b) Withdrawal of the Force provided for township patrolling.
 - (c) Dismantling of the units of undertaking by virtue of their time schedules.
 - (d) Any other specific reason depending on the project or area.
- (2) In conformity with the provisions of the C.G.S.I.S.F. Act, the concerned undertaking may, either upon its own or at the instance of the local C.G.S.I.S.F. authorities, shall put a request for re-survey, in case of deficiency or reduction of Force strength. A representative of the undertaking shall be associated as a member of the re-surveying team in order to ensure coordination and the representative would itself take into account all the aspects, including the additional expenditure arising from the following, namely:-
 - (i) Over assessment of Force for the concerned undertaking, which has been in existence for a period of time, especially when there has not been appreciable change in the area, perimeter, period of operation, number of visitors or workers, input or output, etc., with reference to which security coverage was provided;
 - (ii) Recommendation of additional Force due to revision of norms for various duty points of administrative control;
 - (iii) Recommendation of additional Force for duty points on grounds of added vigilance.
- (3) The resurvey shall be carried out in association with the senior members of the concerned management. The re-survey report shall consist of the following documents, namely:-
 - (i) A brief history of the undertaking highlighting the factors that have necessitated the re-survey.
 - (ii) Detailed Justification for the revision in the deployed strength signed by the re-surveying officer and representative of the undertaking.

- (iii) Details of duty point-wise deployment chart, divided into two parts. The left hand side of the chart shall show the existing deployment before the re-survey and the right hand side shall show the corresponding proposed deployment in such a manner that all the changes in the Force strength are clearly brought out. This description document shall be signed by the re-surveying officer and representatives of the Management.
 - (iv) Copies of certified documents marked with all the duty points that would be functional after the re-survey.
- (4) The re-survey report shall be forwarded to the Special Director General of Police/Additional Director General of Police/Inspector General of Police, C.G.S.I.S.F., who shall further scrutinize it and forward the same, along with his recommendations and necessary documents, to the Director General of Police. These reports shall be further examined at Police Headquarters, Chhattisgarh and be approved by the Director General of Police. After the approval of Director General of Police, the management shall be asked to place a formal requisition for additional strength and the Force shall be deployed subject to availability.
- (5) The re-survey requisition of undertaking shall be considered only upon the payment of prescribed fee of Rupees Fifty Thousand (₹50,000/-) for conducting the survey. The said prescribed fee may be revised from time to time by the Director General of Police.
- 52. Physical Security.-** Physical security relates to the means by which a given facility protects itself against theft, sabotage, terrorist acts, unauthorized entry, etc. The physical security plan includes the security of the Undertaking's perimeter and buildings, the interior of the building and its contents, as well as vital installations. The detail of the physical security instruction is to be decided by the Administrative Head, C.G.S.I.S.F., in consultation with the concerned undertaking.
- 53. Uses of the electronic equipment.-** Modern/state-of-the-art security equipment or systems used by security Forces worldwide should be utilized in various undertakings for improved security measures. The Administrative Head, C.G.S.I.S.F., shall periodically submit a list of electronic devices and other necessary gadgets to the concerned undertaking.

- 54. Interpretation.-** If any question arises relating to the interpretation of these rules, it shall be referred to the State Government, whose decision thereon shall be final and binding.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
RAMESH KUMAR SHARMA, Secretary.

APPENDIX-A**Affidavit Regarding Deputation**

(See rule 17)

To be signed before assuming office

Affidavit

I, (full name)..... father's full name
 permanent address a
 resident of, a member
 of the Chhattisgarh Police Force/Chhattisgarh Armed Forces, direct recruit year.....
 designation..... cadre, and current designation in the parent unit
 is..... I hereby swear that:-

1. *I am willing to serve in the Chhattisgarh State Industrial Security Force wherever I am posted during my deputation;*
2. *I will continue to serve in the Chhattisgarh State Industrial Security Force until I complete the prescribed period of deputation service with the Chhattisgarh State Industrial Security Force; and*
3. *I will discharge my duties subject to the terms and conditions of the Act and Rules.*

I state that the above affidavit has been read to me, explained to me, and that I understand and accept it.

Signature

Date

Place.....

I, (full name)....., father's full name
, permanent address,
 resident of, holding the post
 of (Gazetted). The above affidavit has been signed
 before me by the above officer.

Date

Place

Signature**(with designation and seal)**

APPENDIX-B
Oath of Allegiance
(See rule 20)

I, (Full Name) Father's Full
Name Permanent Address
..... Designation, do solemnly swear that I will bear
true allegiance to the Chhattisgarh State Industrial Security Force and will remain
faithful to the Force established by the Act and Rules. I will uphold the sovereignty
and integrity of India and subject to the conditions of the Act and Rules, will
faithfully, honestly and without fear or favour, perform the duties of my office.

Date

Signature.....

Place

APPENDIX-C

Appointment Certificate

(See Section 5(1) of the Act and Rule 20)

Shri
Father's full name.....has been appointed on
deputation to the Chhattisgarh State Industrial Security Force in the State of Chhattisgarh,
with the designation and is hereby entrusted with the
powers, functions and privileges of an Officer of the Chhattisgarh State Industrial Security
Force under the Chhattisgarh State Industrial Security Force Act, 2025 (No. 15 of 2025).

Signature

Name of Appointing Authority

(With designation and Seal)

APPENDIX-D**Duty Point Analytical Table as per Joint Survey Report**

(See clause (ii) of sub-rule (4) of Rule 44)

Serial No.	Duty Point	Force according to the standards	Force as determined by the survey team	Existing Force in the Event of Resurvey	remark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

Detailed justification for any deviation from the strength as determined by the survey and as required by the standards shall be given in the remarks column.

Name and Signature (of Chairman/Members of the Joint Survey Board)

1.

2.

3.

4.

5.

APPENDIX-E

Survey for Deployment of the C.G.S.I.S.F.

(See sub-clause (f) of clause (ix) of sub-rule (4) of Rule 44)

Information pertaining to assessment of Strength for C.G.S.I.S.F. Deployment

Part-I

Initials

1. Name of the Ministry/Department to which the undertaking is affiliated.
2. (1) Police Station (2) District (3) State, where the undertaking is located.
3. Management structure, names and addresses of top management (Chairman/Managing Director, General Manager, Chief Project Manager, Chief Administrative Officer, etc.).

Part-II

Security Risk Assessment

1. What is the capital cost or estimated cost of the undertaking? What is its annual turnover?
2. Products manufactured and services provided by the undertaking.
3. What are the sensitive and vulnerable areas of manufacturing and non-manufacturing, as estimated by management?
4. What are the security risks to the Undertaking, with particular reference to losses from Naxal attacks, theft, burglary, sabotage, cyber threats, and other forms of loss or damage? (Only a brief estimate is required here.)
5. Special risks, if any, such as floods, fires, or other natural disasters, to which protection is required.
6. Is this place declared protected/prohibited? If yes, mention the reference and date of the order.
7. Has inspection been conducted by Special Branch? (If yes, attach its updated report and progress report on compliance with its recommendations, if available. This should be sent as a classified document.)

Part-III

Employees/Workers

1. (a) Number of employees present in the undertaking monthly.
(b) Total number of workers employed in the undertaking.
2. Number of existing unions. What is the numerical strength of each union and its political affiliation?
3. Provide the names, addresses, and affiliations of the office bearers of the unions.
4. What is the likely stance of the unions regarding the deployment of the C.G.S.I.S.F.?

Part-IV
Physical and Personal Security

1. **What security arrangements are in place for the premises, and are they adequate? A sketch or map of the area should be attached to indicate important features for clarification and simplification of the report, with special mention of the following:**
 - (a) The type of fence, including its height, and whether barbed wire and glass fragments are installed on top of the fence for additional security?
 - (b) If there is a building or aquatic structure, or any adjacent elevated land/building or other natural feature, which could compromise security, what special security standards should be adopted for that area.
 - (c) Are public utilities in the open and are external windows and doors properly secured?
 - (d) What will be the frequency of inspections of the fenced area by security personnel and maintenance personnel?
 - (e) Are the outer and inner open areas of the fenced area secure? If not, is it possible to secure them?
 - (f) Are warning signs used on the fence? If yes, provide their size and location.
 - (g) Are there any prohibited areas within the premises?
 - (h) The current condition of the fenced area. Are there any holes or tunnels within the fence?
 - (i) Are there any junk rooms or garbage dumps anywhere near the perimeter?
 - (j) Can vehicles access the fence? If so, up to what point can vehicles be parked near the fence? What is the possibility of vehicles being used as a ladder to climb the fence near the fenced area?
 - (k) Are there any particularly vulnerable spots near the fenced area, such as a railway line, public road, stream, waterlogging, drainage, or other opening, through which unauthorized persons could enter?
 - (l) Is there a watch tower or guard hut for the designated post?
 - (m) Is there a patrol system? If so, what mode of transportation is used? What is the frequency of patrolling? What communication means are used by the patrol team during campus security work?
 - (n) Are CCTV cameras installed in the premises of undertaking? If so, please specify their type, recording storage capacity, and location. What arrangements are in place for CCTV monitoring?
2. **What is the security system and its adequacy at the entrance, with particular reference to the following ?**
 - (a) The number, type and location of active gates for vehicular and pedestrian visitors and the duration of their opening.

- (b) Are there any passive gates? If so, describe them and state the times they are used.
 - (c) Is there a proper key control system in place?
 - (d) Are active gates adequately lit to assist guards in inspecting occupants and contents of passing vehicles?
 - (e) Are the gates securely locked when not in use?
 - (f) Are the entrances and exits designed to facilitate proper checking of vehicles and credentials during peak hours? What is the security system for the entry and exit gates?
 - (g) Are CCTV cameras installed at the entrances and exits? If so, please specify their type, recording storage capacity and direction. What arrangements are in place for CCTV monitoring?
3. **What are the arrangements for checking employees' vehicles, etc., in areas where goods are received and their adequacy or inadequacy, with particular reference to the following:**
- (a) What are the entry and exit points and how many personnel are deployed there?
 - (b) What are the modes of transport used to transport goods in and out?
 - (c) Are lunch boxes, tool boxes, and other packages inspected on the spot? If so, what arrangements are there?
 - (d) Are there any storage areas and are they uncovered, covered, or open to visitors?
 - (e) Describe the physical security of all types of storage.
 - (f) Is an armed escort provided for any category of goods being shipped? If yes, provide details.
4. **The existence and adequacy or inadequacy of an alarm system with respect to the following ?**
- (a) Describe the methods by which the sentry or patrol can be promptly notified when an alarm is triggered and can be properly dealt in a given situation.
 - (b) Is there a security alarm system for the premises? If so, provide details.
 - (c) Is there an alarm system to detect trespassing of the fenced premises?
 - (d) What specific security arrangements are in place to prevent burglary, fire, or theft? Are they adequate?
 - (e) Are there adequate communication, transportation, and reserve facilities to ensure prompt response by security personnel and local police in the event of an alarm being triggered? Provide details of the available arrangements.
5. **What are the arrangements for employee safety and how adequate are they, in particular ?**
- (a) Are the identity cards issued for permanent employees and contract

employees tamper-proof? Do they bear the holder's photograph? Are they serially numbered? (Attach a sample of the card in use.)

(b) Visitor control systems (registration, entry passes, escorts, etc.). Does the guard maintain a daily record of arrivals and departures of visitors at gate?

(c) What is the system for registering privately owned vehicles entering the restricted area and what is the method of control?

(d) Parking spaces, their location, fencing, lighting, and security.

(e) Are contractor vehicles allowed and have free access throughout the plant area? What measures are taken to control them?

(f) How are salesmen and vendors, etc., regulated?

6. What is the level of security of the building with particular reference to the following:

(a) The risk to the building from fire or other potential natural disasters and the resources available for security.

(b) The nature and adequacy of security during off-duty hours, such as at night and on holidays.

(c) The nature and adequacy of inspections for fire, theft, storm damage, etc., during downtime.

(d) The nature and adequacy of security for storehouses containing valuable or critical machinery or equipment, or for materials such as explosives, during both open and closed hours.

7. Theft control measures and their adequacy, with specific reference to the following:

(a) Is the foreman assigned the responsibility to supervise in order to reduce theft inside the undertaking?

(b) How prompt and cooperative are employees in reporting theft or suspicious incidents?

(c) Are ragpickers properly screened by available security personnel?

(d) Are scrap and other materials frequently inspected for integrity and accuracy during their sale or disposal?

(e) Are maintenance personnel and cleaning staff adequately supervised to prevent theft?

(f) Is there a tool checking system in place? Whether a tool inventory regularly maintained? Are maintenance personnel checked by security personnel when leaving the premises?

(g) What is the extent of damage caused by theft and pilferage? Provide year-wise figures for the current year and the last three years. If possible, provide a separate, classified description of the major types of materials, such as copper wire, brass bearings, tools, vehicles, etc., with their sequential period and location (from plant, store, yard, parking, etc.).

- (I) Category of missing material;
 - (II) Place of disappearance;
 - (III) Estimated value of missing material;
 - (IV) Total number of incidents in which materials have gone missing;
 - (V) Total number of incidents in which missing materials have been recovered;
 - (VI) Remarks, including the extent of loss to the Undertaking due to the alleged involvement or active collusion of employees.
8. **Whether fire safety measures are adequate with particular reference to the following:-**
- (a) Vulnerable areas and the type and quantity of firefighting equipment and supplies maintained;
 - (b) Details of the training and qualifications of personnel responsible for firefighting duties;
 - (c) The extent to which security personnel are or should be trained for general firefighting duties.
9. **The nature and extent of disaster and emergency arrangements with particular reference to:-**
- (a) The duties assigned to security personnel.
 - (b) The instructions given to security personnel for the proper discharge of such duties.

Part-V

Existing Arrangements of Staff and estimation of their needs

1. Outline the existing staff strength and deployment for sentry and surveillance duties.
2. What are the arrangements for supervision and inspection?
3. Are there specialized staff or police units (State Police/Other/Etc.) for sentry, surveillance or other security duties? If so, provide details.
4. Whether the current arrangements for the above are adequate?

Part-VI

Facilities provided to security personnel in the undertaking in addition to salary and allowances

Facilities provided to security personnel in addition to salary and allowances. Attach a copy of the rules governing the approval of these facilities. These will include the following items:

- (a) House Rent Allowance/Housing Facility;

- (b) City Compensatory Allowance;
- (c) Leave;
- (d) GPF/CPF/Gratuity/Pension;
- (e) Bonus;
- (f) Medical Care;
- (g) Date of Retirement.

Part-VII

Future Programs and Developments

1. Are there any future plans for expansion/downscaling of the undertaking, which may result in an increase/decrease in the demand for security personnel? If so, provide details.
 - (a) Nature of the work to be added/downscaled
 - (b) Details of the additional/downscaled personnel/resources.
 - (c) Expected date from which the increase/reduction will be required.

Part-VIII

Assessment

1. Details of availability of family or non-family accommodation, kitchen, dining room, office, armoury, recreation room, etc.
2. What is the actual need for accommodation? (Give details)
3. What will be the immediate availability of accommodation for the C.G.S.I.S.F.? (Give details)
4. What arrangements will be made to provide additional accommodation?

Part-IX

Transportation

1. What is the availability of transportation, if any?
2. What are the requirements? With a brief note justifying the need.
3. How many transportation personnel are required?

Part-X

Determining Requirements and Potential Difficulties in Deploying the Force

1. What are the opinions of existing security personnel of various categories regarding the feasibility of deploying the C.G.S.I.S.F.?
2. Categories of existing security personnel over 52 years of age and their respective details.

3. Will the C.G.S.I.S.F. deployment be arranged in more than one phase? If so, outline the phases under the following headings:
 - (A) Number of phases
 - (B) Outline the duties to be performed by the C.G.S.I.S.F.
 - (C)
 - (C) Expected date of effect of the desired change by management
 - (D) Comments
4. If the C.G.S.I.S.F. deployment action is to be taken individually, the expected date of assuming responsibility as per opinion of the management.

Part-XI

Acceptance of the Proposal by Management

Is the proposal mentioned in the survey report acceptable to management? If not, please elaborate on the points of disagreement.

Name and signature (of the Chairman/Members of the Joint Survey Board)

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.